* श्रीदधिमती जयति *

मारवाड़का भूगोल

जिसको

दाहिमा आसोपा पंडित बलदेवात्मज

विद्वद्वर पंडित रामकर्ण

ने

बनाया

दाहिमा आसोपा पंडित बलदेवात्मज

पंडित रामकर्ण श्यामकर्णके

प्रताप प्रेस जोधपुरमें प्रकाशित.

तीसरीवार ५००] संवत् १९७० [मूल्य =)

=

समर्पण

विद्याप्रचारके अनुरागी, गुणज्ञ, शिक्षाविभागके मेम्बर इनचार्ज

मिस्टर जी. डी. गायडर साहिब बहादुर,

फिनैंस मेम्बर कौन्सल आफ रीजेंसी,

मारवाड़ स्टेट,

के

कर कमलमें

यह पुस्तक

सादर समर्पण करता हूं.

भूमिका

मनुष्यको पृथ्वीका मानचित्र जाननेकी अत्यावश्यकता है. और उ में भी प्रथम उस भूभागका वृत्तांत तो अवश्यही जानना चाहिये कि ज वह निवास करता हो. इसलिये मारवाड़के विद्यार्थियोंको अन्य भूगोल नने की अपेक्षा मरुदेशका भूगोल प्रथम जानना चाहिये. और जब से पूरे परिचित होजांय तब राजपूतानाके भूगोल की ओर पैर र फिर हिंदुस्थान, फिर एशिया और तदनंतर सारे भूमंडलका भूगोल नने का यत्न करें. इसी पर ध्यान देकर सरिश्ते तालीमके सीनि इन्सपेक्टर जसवंतरायजी हाथीभाई, बी. ए. ने श्रीमान् पंडित सूर्यप्रका जी, एम्. ए., सुप्रिंटेंडेंट सरिश्ते तालीम राज मारवाड़ से व श्रीमती मैसक, सुप्रिंटेंडेंट ह्यूशन गर्ल स्कूल, जोधपुर, से प्रार्थना की कि म वाड़की पाठशालाओंमें प्रथम मारवाड़का भूगोल पढ़ाया जाना उ है, तो उक्त महाशयोंने उनके कथनको स्वीकार किया और पाठशाल मे पढ़ानेके लिये आज्ञा प्रदान की जिनका मैं कृतज्ञ हूं.

इस भूगोलमें कौन २ से विषय बालकोंके लिये उपयोगी होंगे विषयमें जसवंतरायजी हाथीभाई, बी. ए., सीनियर इन्स्पेक्टर ऑफ स्कू की संमति अति प्रशंसनीय है, और विद्याभूषण पंडित भगवतीलाल हेड पंडित ह्यूसन गर्ल स्कूल, ने हरप्रकारकी सहायता दी है जि मैं उनका आभारी हूं.

विद्द्रत्न पंडित रामकर

॥ धोर्द्विमती जयति ॥

मारवाड़ का भूगोल

परिभाषा[1]

१ भूगोल-पृथ्वी गोल है, इसलिये भूगोल कहने आता है. जिसमें उसका वर्णन हो उसे भी ुगोल कहते हैं ॥

२ स्थल-पृथ्वी का जो हिस्सा चारों ओर पानी र ढका हुआ नहीं है उसे स्थल कहते हैं ॥

३ द्वीप या टापू-जो जमीन का हिस्सा चारों ओर ानी से घिरा हो उसे द्वीप कहसे हैं. जैसे लंका ॥

४ महाद्वीप-जमीन के उस बड़े हिस्से को महाद्वीप कहते हैं जिसके निकट कोई टापू हो. जैसे लंका े समीपवर्ती हिंदुस्थान ॥

---

१ इन परिभाषाओं को समझाने के लिये पाठकों को चाहिये ो द्वीप, पहाड़, बांध, झील, नदी आदि बालू और पानी से बनाकर ़खलावें; और बालकों के हाथ से भी बनवावें ॥

५ प्रायद्वीप–जो जमीन का हिस्सा तीनों ओर पानी से घिरा हो उसे प्रायद्वीप कहते हैं. जै काठियावाड़ ॥

६ अन्तरीप–जिस जमीन के हिस्से की नो पानी के भीतर चली गई हो उसे अन्तरीप क हैं. जैसे कुमारी अन्तरीप ॥

७ पहाड़–पृथ्वी के उस ठोस पथरीले हिस्से पहाड़ कहते हैं जो आसपास की भूमी से ऊं हो. जैसे आबू॥

८ पहाड़ का सिलसिला–उसे कहते हैं जो पहाड़ हिस्सा दूर तक चला ही गया हो. जैसे आडावा

९ दर्रा–दो पहाड़ों के बीच के मार्ग को कहते हैं. जैसे खैबर का दर्रा ॥

१० नाल–पहाड़ के तंग रास्ते को नाल कह हैं. जैसे सिरीयारी की नाल ॥

११ मैदान–जमीन के खुले वो फैलेहुए हिस्से को मैदान कहते हैं. जैसे मालानी का मैदान ॥

१२ जंगल–जिस जमीन में आबादी न हो और दरख़्त ज्यादा हों उसे जंगल कहते हैं ॥

१३ थळी या थळ–जिस जमीन में बालूरेत हो और पानी बहुत गहरा हो उसे थळ कहते हैं. जैसे मारवाड़ का पश्चिमी हिस्सा ॥

१४ तराई–जिस मैदान के किनारे ऊंचे हों और उसमें कोई नदी बहती हो उसे तराई कहते हैं. जैसे तिरहुतका प्रदेश ॥

१५ धोरा या टीला–बालूरेत के ऊंचे हिस्से को धोरा कहते हैं. जैसे कक्कू भग्गू का धोरा ॥

१६ ज्वालामुखी पहाड़–जिस पहाड़ में से आग निकलती हो उसे ज्वालामुखी पहाड़ कहते हैं ॥

१७ खान–जमीन या पहाड़ में से जहां कोयला,

खड़ी, पत्थर आदि निकलते हैं उसे खान हैं. जैसे मकराणे की खान ॥

१८ देश या मुल्क—जमीन का वह हिस्सा महाद्वीप से छोटा हो और जहां एकसे लोग हों उसे देश कहते हैं. जैसे हिन्दुस्थान, मारवाड़

१९ राजधानी—जहां राजा या आला हा। रहता हो उसे राजधानी कहते हैं. जैसे देहली जोधपुर ॥

२० डमरुमध्य—जमीन का वह तंग हिस्सा जो बड़े जमीन के हिस्सों को जोड़ता है उसे मध्य कहते हैं. जैसे पनामा का डमरूमध्य ॥

२१ टेबल लेंड—जमीन का वह चौड़ा हिस्सा जो आसपास के धरातल या सतह से ऊंचा जैसे तिब्बत ॥

२२ दिशा—पृथ्वीभर के स्थानों का पता बत

के लिये सूर्योदयके सहारे बुद्धिमानों के किये हुए संकेत को दिशा कहते हैं ॥

२३ पूर्वदिशा—जिस दिशा में सूर्य निकलता हो दीखता है वह पूर्व दिशा है ॥

२४ पश्चिम—जिस दिशा में सूर्य बैठता दीखता है वह पश्चिम दिशा है ॥

२५ दक्षिण—पूर्व दिशा की ओर मुंह किये दाहिने हाथ की ओर का प्रदेश दक्षिण दिशा कहलाता है॥

२६ उत्तर—पूर्व दिशा की ओर मुंह किये बाएं हाथ की ओर का प्रदेश उत्तर दिशा कहलाता है।।

२७ खालसा—जिस जमीन की आमदनी सरकारी खजाने में आती है उसे खालसा कहते हैं ॥

२८ जागीर—जो जमीन सरदार या मुत्सद्दियों को दरबार से इनायत की हुई है उसे जागीर कहते हैं. जैसे आउवा, आसोप, इत्यादि ॥

खड़ी, पत्थर आदि निकलते हैं उसे खान कहते हैं. जैसे मकराणे की खान ॥

१८ देश या मुल्क—जमीन का वह हिस्सा जो महाद्वीप से छोटा हो और जहां एकसे लोग रहते हों उसे देश कहते हैं. जैसे हिन्दुस्थान, मारवाड़

१६ राजधानी—जहां राजा या आला हाकिम रहता हो उसे राजधानी कहते हैं. जैसे देहली, जोधपुर ॥

२० डमरुमध्य—जमीन का वह तंग हिस्सा जो दो बड़े जमीन के हिस्सों को जोड़ता है उसे डमरु मध्य कहते हैं. जैसे पनामा का डमरूमध्य ॥

२१ टेबल लेंड—जमीन का वह चौड़ा हिस्सा जो आसपास के धरातल या सतह से ऊंचा हो जैसे तिब्बत ॥

२२ दिशा—पृथ्वीभर के स्थानों का पता बतला

के लिये सूर्योदयके सहारे बुद्धिमानों के किये हुए संकेत को दिशा कहते हैं ॥

२३ पूर्वदिशा—जिस दिशा में सूर्य निकलता हो दीखता है वह पूर्व दिशा है ॥

२४ पश्चिम—जिस दिशा में सूर्य बैठता दीखता है वह पश्चिम दिशा है ॥

२५ दक्षिण—पूर्व दिशा की ओर मुंह किये दाहिने हाथ की ओर का प्रदेश दक्षिण दिशा कहलाता है॥

२६ उत्तर—पूर्व दिशा की ओर मुंह किये बाएं हाथ की ओर का प्रदेश उत्तर दिशा कहलाता है।।

२७ खालसा—जिस जमीन की आमदनी सरकारी खजाने में आती है उसे खालसा कहते हैं ॥

२८ जागीर—जो जमीन सरदार या मुत्सद्दियों को दरबार से इनायत की हुई है उसे जागीर कहते हैं. जैसे आउवा, आसोप, इत्यादि ॥

२९ सांसण—जो गांव या जमीन साधु, संन्यासी, ब्राह्मण, चारण, भाट आदि को दरबार से दी गई है उसे सांसण कहते हैं ॥

३० भोम—खेत या बेरा दरबार से राजपूत को दिया जावे उसे भोम कहते हैं ॥

३१ डोहली—खेत या बेरा दरबार से ब्राह्मण, साधु, संन्यासी, चारण, भाट आदि को दिया जावे उसे डोहली कहते हैं ॥

३२ जूनी जागीर—जो गांव किसी दूसरे जागीरदार को लिख दिया जावे या जब्त किया जावे तब पहले जागीरदार के पास जो जमीन रहे उसे जूनीजागीर कहते हैं ॥

३३ मुश्तरका—जिस गांव में कुछ हिस्सा दरबार का और कुछ हिस्सा जागीरदार का शामिल हो उसे मुश्तरका कहते हैं ॥

३४ महासागर-जिससे सब दुनियां घिरी हुई है स खारे पानी के भंडार को महासागर कहते हैं॥

३५ समुद्र या बहर-महासागर का जो हिस्सा मीन के सहारे (जरिये) दूसरे हिस्से से अलगसा खे उसे समुद्र कहते हैं. जैसे अरबका समुद्र॥

३६ किनारा-समुद्र के समीपवर्ती पृथ्वी के हिस्से को किनारा कहते हैं॥

३७ साहिल-जिस पृथ्वीके हिस्से से लहरें टकराती हों उसे साहिल कहते हैं॥

३८ खाड़ी या खाल-समुद्र का हिस्सा जो जमीन के भीतर चला गया हो उसे खाड़ी कहते हैं॥

३९ मुहाना-पानी के उस तंग हिस्से को मुहाना कहते हैं जो दो समुद्रों को मिलाता है. जैसे ाकका मुहाना॥

४० चैनल-जो पानी का हिस्सा मुहाने से चौड़ा

होता है उसे चैनल कहते हैं. जैसे इंगलिश चैनल॥

४१ नदी—पानी की वड़ी धारा जो वहकर समुद्र या झील में जाती है उसे नदी कहते हैं. जैसे गंगा, यमुना, लूनी ॥

४२ सहायक नदी—जो छोटी नदी वड़ी नदी में गिरती है उसे सहायक नदी कहते है, जैसे लूनी की सहायक सूकड़ी ॥

४३ झील—जमीन के नीचे स्थान में जो पानी जमा होता है उसे झील कहते हैं. जैसे सांभर की झील ॥

४४ बंधा—नदी या बाळे का पानी पाल बांधकर रोका जावै उसे बंधा कहते है. जैसे पिचिया का बंधा ॥

४५ डेल्टा—नदी की रेत और मिट्टी से जो नीची चौरस जमीन वनी हो और जहां नदी

ई होगई हों उसे डेल्टा कहते हैं. जैसे गंगा डेल्टा ॥

४५ नकशा या मानचित्र—किसी जमीन के (चित्र तसवीर) को मानचित्र कहते हैं ॥

१ क्षेत्रफल, आबादी और गांव

मारवाड़ देश राजपूताना में पश्चिम दि
की ओर है. वह दूसरे राज्यों की अपेक्षा
फल में सब से बड़ा है. मारवाड़ २४°-३
अक्षांश से २७°-४२" अक्षांश पर्यंत भूमध्य
से उत्तर की तर्फ आबाद है. और ७०°-
देशांतर से ७५°-२२" देशांतर है. इस दे
लंबाई अधिक से अधिक ईशानकोण से नै
कोण तक ३२० मील है. और चौड़ाई व
कोण से अग्निकोण पर्यंत १७० मील है जि
क्षेत्रफल यानी मील मुरब्बा ३५,०१६ जमी
जिसमें खालसा ४,८३० और जागीर३०,१८

मारवाड़ की कुल आबादी सन१९११
की मर्दुमशुमारी के मुताबिक (बीसलाख
वन हजारपांचसौतेपन) २०,५७,५५३ म
की है ॥

मारवाड़ के कुल गांव ४,२४१ हैं. जिनमें ालसा ६०१, मुश्तरका (यानी आधा खालसा ार आधा जागीर)६७, जागीर२,१६६, सांसण ३३ और भोमीचारा ७८४ है ॥

२ सीमा

मारवाड़ के पूर्व दिशा की ओर जैपुर का खावाटी प्रांत, किसनगढ़ और अजमेर; दक्षिण शाकी ओर उदैपुर, सिरोही, और पालनपुर; श्चिमकी ओर सिंध और जैसलमेर, और उत्तर ं वीकानेर है ॥

३ आबहवा

मारवाड़की आबहवा गर्म है, इसका कारण यह है कि बहुत दूर तक थल पड़ा है, यानी रेकलूरत के पहाड़ (टीबे) हैं और पानी कम है. इसीसे इस देशका नाम संस्कृत में मरुस्थल है. कहीं२ इसका नाम मरुकांतार भी लिखा

मिलता है. मारवाड़ शब्द १ मरु और २ मा
इन दो शब्दों का अपभ्रंश है. यहां गर्मियों
तो अत्यंत गर्मी और सर्दी के मौसिममें
सर्दी पड़ती है ॥

४ नदियां

मारवाड़ में बारह महिना लगातार बहने
वाली कोई नदी नहीं है. सब नदियां अकस्मा
कर चौमासा में बहती हैं. मारवाड़ में सब
बड़ी नदी लूणी है जिसकी ८ शाखाएं हैं ॥

१. लूणी—यह अजमेर के पास के पहाड़

---

१ मरुका अर्थ है " म्रियन्ते पिपासयाऽस्मिन्देशे इति मरुः ॥
जिस देशमें मनुष्य जल विना प्यासे मरते मरजाय उसका नाम मरु

२ जैसलमेर के प्रांत के देशका नाम संस्कृत में माड है. माड
अर्थ है वितान अर्थात् चंदवा. माडदेश निर्मलता में मरुदेशका सिर
इसलिये उसका नाम माड सार्थक है. माडदेशके पूर्वदिशाकी ओर
प्रांत मरुदेश है. जैसलमेरवाले कहते हैं कि माडकी याड़ होने से
देश का नाम मारवाड़ है ॥

से निकलती है और सागरमती कहलाती है. गोविंदगढ़ के पास सरस्वती इसमें मिलती है तबसे यह लूणी कहलाने लगती है. यह नदी मारवाड़ में मेड़ता, जैतारण, बीलाड़ा, जोधपुर, सिवाणा, पचपदरा, मालाणी और सांचोर परगनों में बहती हुई कच्छकेरणमें जा मिलती है ॥

२. जोजरी—यह मेड़ता परगना से बहती हुई पीपाड़ के पास लूणी में आकर मिलती है॥

३. सूकड़ी—देसूरी के पहाड़ों से निकल कर पाणोद के पास बहती हुई समदड़ी में आकर लूणी में मिलती है ॥

४. गुहियाबाळा—बीलाड़ा के पहाड़ों से निकल कर आगे जाता है, तब सूकड़ी इसमें आकर मिलती है और वहां से धोलेराव में वह आगे जाता है तो बांडी और रोहिया इसमें

आकर मिलजाती हैं और यह धूनाड़ा के पास लूणी में मिल जाता है ॥

५. बांडी—सोजत के पहाड़ों से निकलकर पाली के पास बहती हुई गुहियावाळा में जाकर मिल जाती है जैसे कि ऊपर लिखा है ॥

६. जवाई—यह नदी नाणा बेड़े के पास बहती हुई एरणपुरे होकर लूणी में आकर मिलती है

७. लीलड़ी—आडावाला से ब्यावर के पश्चिम की ओरसे निकल कर रासके पास बहती है जहां सूकड़ी आकर इसमें मिल जाती है और फिर नींवाज में बहती हुई नींबोल के पास लूणी में मिलती है ॥

८. जोजड़ी—मेड़ता और धीणावास में बहती हुई जोधपुर परगना में गांव मानपुरिया के पास लूणी में मिलजाती है. जोजड़ी में कोई दूसरी

शाखा नहीं मिले वहां तक उसको सरस्वती कहते हैं ॥

६. रायपुरकी नदी– जैतारण परगना में बहती हुई बीलाड़ा में लूणी में आ मिलती है ॥

इनके सिवाय छोटी २ नदियां और भी हैं. जोधपुर परगना में जोजरी, मीठड़ी और नागादरी. बीलाड़ा में बाणगंगा. पाली में मंडलीवाली. जसवन्तपुरा में सांगी, रेल और घांबा. मेरगढ़ में बालेसरकी नदी. इत्यादि ॥

५ झील और बंधा

सब से बड़ी झील सांभर की है. दूसरी झीलें छोटी हैं. जैसे डीडवाने का सर; पचपद्रे का सर; फलोदी, पोकरण और कुचामण के सर; सांचोर में गांव भाटकी के पास एक छोटी झील; सिव में बाड़ियाला झील; और मालानी में

...ीररोपार ॥
...ंधा—बीलाड़ा में जसवंतसमंद (पिचयाक) और
हरियाड़ो ॥
सोजत में सरदारसमंद (घोलेराव), चोपड़ो
(नवोगांव) और जोगड़ावास ॥
जालोर में एडवर्डसमंद (बांकली) ॥
जोधपुर में बिसलपुर, गुलाबसंड, सूरपुरो,
चोपासणी और धांधियां ॥
नागोर में डीडियो और कठोती ॥
मेड़ता में मेरास, पूंदलोता का सर ॥
पाली में सिणधारी, मानपुरो (ऊटमण),
बांभोळाई, सोइयांणियो, खारड़ो
और व्हांडियो ॥
बाली में सादड़ी ॥
देसूरी में मगरतळाव और बागोल ॥

फलोदीमें जोड़बंध.

६ पहाड़.

सबसे बड़ा पहाड़ अरवलीका है, जिसको
ाडावळा कहते हैं. वह अजमेरसे शुरू होकर
[वतसर, मेड़ता, जैतारण, सोजत, देसूरी और
लीमें होता हुआ उदैपुर, सिरोही तक चला
या है. इसकी ऊंचाई अंदाजन ३,६०० फुट
मुद्रसे है. इसके सिवाय छोटे छोटे पहाड़ इन
रगनोंमें हैं:—

जोधपुरमें भोमसेल.
नागोरमें खाटूकी पहाड़ी.
जालोरमें सोनगिर या रोजा जिसकी ऊंचाई
२,४०८ फुट है.
जसवंतपुरामें सूंदामाताका पहाड़. इ.

ऊंचाई सबसे जियादा ३,२५२ फुट है.

सिवाणामें छप्पनका पहाड़ इसकी ऊंचाई

३,१९९ फुट है.

माळानीमें नगरकी पहाड़ी.

पचपदरामें गांव कोरणा और नागाणाके

पहाड़ी.

सरगढमें गांव बेलवेके पास.

पालीमें पूनागरकी भाकरी, सिरियारी तथा

मादड़ीकी सीमाओंकी पहाड़ियां.

सांभरमें गांव खोड़मीणाकी भाकरी.

इनके सिवाय मेड़ता, मारोठ, नांवा और डीडवांणा परगनामें भी छोटी २ पहाड़ियां हैं.

७ खान.

१ मकराणाके पत्थरकी खान परबतसर परगनामें है.

२ पत्थरकी खानें जोधपुर, मेड़ता, मारोठ, डीडवांणा, बीलाड़ा, सोजत, सिवाणा, पाली, घाणा, जालोर, सेरगढ़, फलोदी और नागोर परगनामें पहाड़में हैं.

३ खारी नमककी खान गांव पिचियाक और पालकोसणीमें है.

४ नमककी खानें सांभर खास, साचोरमें गांव मवातड़ा और सूराचंद, सिवांणामें गांव सांतड़ा, पचपदरा खास, डीडवांणा खास और फलोधीमें हैं.

५ पीली मिट्टीकी खान पाली परगनामें है.

६ भोडलकी खान पाली परगनामें है.

७ नागोरकी खड्डीकी खान नागोर परगनामें है.

८ पांडुखड्डीकी खान सेरगढ़ और फलोदी परगनामें है.

९ गेटकी खानें शिव और मालाणी परगनामें हैं.

१० गेरोंकी खान जोधपुर परगनामें है.

८ दस्तकारी.

१ परगना परबतसरके गांव मकराणामें-सं

राणेकी मेज, कुर्सी, बारादरी, छतरी, प्या

चौखट, बतक, गिलास, हंडिया, आबखो

रकेबी, खरल और नानाप्रकारके खिलौ

होते हैं.

२ नागोर खासमें-लोहे पीतलके बासन, उ

की कंबल, लोवड़ी, लाल लूकार, सूती व

ड़ियां, चांदी लोहेके छल्ले, सतारके त

वगैर: अच्छे होते हैं.

३ मेड़ता खासमें-खसके पंखे, पंखियां, कना

पर्दा, हुक्का, रकेबी, पानदानी, प्याला, ड

वगैर; और हाथी दांतके खिलौने, चा

कतरनी, कानकुचरणी, छल्ले, पानदानी, ...

टदान, हार, हातकी पहोंची, बटन, कलम और पंखा-पंखियोंकी डंडिया आदि; ऊन की गुगी, चकमा, आसन, जाजम वगैरः; सूतकी निवार, जाजम वगैरः और साबू तथा मिट्टीके खिलौने अच्छे होते हैं.

४ जोधपुरमें-जामदानी, चमड़पोस हुक्का, कंघा, बांदनूं चूँदड़ी, चूँदड़ीके पेचे; हातीदांतका चूड़ा, कोरगोटा, और तुर्रा किलंगी अच्छे होते हैं. गांव सलावास और सथलाणामें कांसेकी वटकियां, रकेबियां; बिसलपुरमें लोहेके चूल्हे, कड़ाई, सिगड़ी; आसोपमें देशी छींट, जाजम, पलंगपोस, लूंगी, रजाई; बीकमकोरमें ऊंटका पिलांन; गांव खेतासर घेवड़ामें जटके भाकले तथा गंदे; और ओसियांमें ऊनकी कंबल ये होते हैं.

५ साकड़ा परगनामें—पोकरणकी पक्की
नियां प्रसिद्ध हैं.

६ मारोठमें—टुकड़ी, कुचामणमें बंदूक, तम
देशी घड़ी, जंत्रराज, ताला, पिचरका,
चढ़ानेके पंप, तलवारकी मूठ वगैरः
होते हैं.

७ सांभरमें—नमकके खिलौने, भरत (
और कांसेके बरतन होते हैं.

८ नांवामें—सुजनी और गूंदकी मिठाई अ
होती है.

९ डीडवानामें— पीतलके लोटे, आबखोरे
पिचरके अच्छे होते हैं.

१० बीलाड़ा परगनामें—गांव पीपाड़में लू
छपाई की जाजम, पलंगपोस होते हैं.

११ जैतारणमें—लकड़ी का काम पलंग के प

वगैरः और सूती कपड़ा भी होता है ॥

२ सोजतमें–सादा और बनाती घोड़े का साज, पत्थर की कूंडी, काठके खिलौने, लोहे का काम तलवार, बंदूक, उस्तरा, कतरनी, कली (बाल चुगनेकी), कली (घर खोलनेकी); और गांव बगड़ी में हाथीदांत का और लकड़ी का काम अच्छा होता है ॥

३ पालीमें–[illegible] के खिलौने, चूंड़ा, देशी छींट, छापल साफा, दुपट्टा, रूमाल आदि; और लूंगी होती हैं ॥

४ बालीमें–बांसकी ओडियां; गांव बूसी में रंगाई और छपाई का काम, जाजम, पलंगपोस वगैरः अच्छा होता है ॥

५ जालोरमें–टुकड़ियां अच्छी होती है ॥

जसवंतपुरामें–भीनमालमें–कांसेके तासले,

थाल, कटोरियां, प्याला वगैरः अच्छे होते हैं और बडगांव में तलवार की मूठ अच्छी होती है ॥

१७ पचपदरामें—हाथीदांत का चूड़ा, फूल, फल, पंखेकी डंडी, सुरमादानी; और भरत (सर्व धात) के बरतन तथा खिलौने और गांव बालोतरा में पक्की ओढ़नियां होती हैं ॥

१८ देसूरीमें—लकड़े के खिलौने होते हैं॥

१९ फलोधीमें—जटका गंदा, सूतका भाकला और मोटी ओढ़नियां होती हैं ॥

९ रेल

जोधपुर बीकानेर रेलवे मारवाड़ जंकशन (खारची) से तो फुलेरा स्टेशन तक; मेड़ता रोड (फलोधी) से भटिंदा और मेड़ता तक; लूणी जंकशन से हैदराबाद सिंध तक; बालोतरा

पचपदरा तक और डेगाना से हिसार तक
ी हुई है और जोधपुरसे फलोदी तकका ०।
ी है जिसमें ओसियां तक लाइन खुल गई है
मारवाड़ में बड़े २ स्टेशन, और जहां दूसरी
की सड़कें मिलती हैं उन स्टेशनोंके नाम:—
मारवाड़ रेलवे जंकशन–(यहां राजपूताना
ावा रेल मिलती है; जो अहमदाबादसे दिल्ली
जाती है). २ पाली. ३ लूणी जंकशन
ां). ४ जोधपुर. ५ मेड़तारोड़ जंकशन
लोदी). ६ मूंडवा. ७ नागोर. ८ कुचामण
. (नांवा). ९ बालोतरा. १० बाड़मेर. डी-
ना इत्यादि

मील जोधपुरके आसपास; ६ मील जसवंत
में; और आधा मील पालीमें है.

११ परगने

मारवाड़में कुल परगने २२ हैं.

१ जसवंतपुरा. २ जालोर. ३ जैता
जोधपुर. ५ डीडवाना. ६ देसूरी. ७ नाग
पचपदरा. ६ परबतसर. १० पाली. ११ फल
१२ बाडमेर. १३ बाली. १४ बीलाड़ा. १५ म
१६ साकड़ा. १७ साचोर. १८ सांभर. १९
२० सिवांणा. २१ सेरगढ़. २२ सोजत.

१ जसवंतपुरा

१ सीमा—पूर्वमें सिरोही; दक्षिणमें सिरोही
पालणपुर; पश्चिममें साचोर और माला
उत्तरमें जालोर.

२ क्षेत्रफल—१,२६० मीलमुरब्बा जमीन.

ते १७५ खालसा, और जागीर १,१८५ हैं.

३ आबादी—९१.३४८ मनुष्योंकी है.

४ गांव—कुल गांव २१२. जिनमें खालसा २४, स्तरका ५, जागीर ८८, सांसण १७, और मीचाराके ७८ हैं.

५ पुलिसके थांणा और चौकी—थाने ४ चार हैं. जसवंतपुरा, रतनपुर, भीनमाल और पूनासा. चौकी ७ सात हैं:—कैर, लूर, जेठू, कूडी, मोरसीम, खेड़ाकूड़ी और करड़ां.

६ सायरके थाणे वो चौकी—थाने १२ बारह हैं. जसवंतपुराखास, वडगांव, मालवाड़ा, रामसीण, तेवाड़ी, राणीवाड़ा, जाखड़ी, धाणासां, धामसीण, धुमड़िया, चांदूर और वागोड़ा. चौकी १ है. धानोल.

७ जागीरी ठिकाने—लोयांणो, चेकलां, ऊछमत,

बांकड़ियो, डडूगांव और दासफा.

८ देखने योग्य मकान—भीनमालमें सूंदामाता के पहाड़के ऊपर चामुंडाका मंदिर. वराहजीका मंदिर और बादशाही मस्जिद.

९ रेल—इस परगनेमें रेल नहीं है समदड़ीका स्टेशन ८० मील है.

१० डाकखाना—जसवंतपुरा खास; भीनमाल, रामसीण, बडगांव.

२ जालोर

१ सीमा—पूर्वमें वाली और देसूरी. दक्षिणमें सिरोही और जसवंतपुरा; पश्चिममें मालाणी औ सिवाणा; उत्तरमें सिवाणा और पाली.

२ क्षेत्रफल—१,५५२ मीलमुरब्बा. जिसमेंसे खालसा १२२, और जागीर १,४३०.

३ आबादी—१,३२,७१९ मनुष्योंकी है.

४ गांव–कुल गांव २५६, जिनमें खालसा २६, [illegible]स्तरका २, जागीर २०८, सांसण १२, और [illegible]ोमीचारा ७.

५ पुलिसके थांणा और चौकी–थाने ३ तीन [illegible]ं, जालोर, वाघतरो, मालगढ, चौकी ४ चार [illegible]ं. भड़लो, सिरांणो, चावां, पांचोटो.

६ सायरके थाणे वो चौकी–थाने १२ बारह हैं. सियांणा, कोणदर, सैणा, बागरा, हरजी, गुड़ा, भँवराणी, गोल, जीवाणा, पावटा, आहोर और चांदराई. चौकी नहीं है.

७ जागीरी ठिकाने–भादराजण, आहोर, भैंस-वाड़ो, बाकरो, भँवराणी.

८ देखने योग्य मकान–खास जालोरका किला.

९ रेल–इस परगनेमें रेल नहीं है. समदड़ीका स्टेशन सोलह कोस है.

१० डाकखाना—जालोर खास. आहोर, सैणा.

३ जैतारण

१ सीमा—पूर्वमें अजमेर; दक्षिणमें ...

पश्चिममें बीलाड़ा; उत्तरमें मेड़ता.

२ क्षेत्रफल—८६० मीलमुरब्बा. जिसमें ख.

११०, और जागीर ७५०.

३ आबादी—६०,०१४ मनुष्योंकी है.

४ गांव—कुल गांव १२२, जिनमें खालसा १

मुस्तरका ३, जागीर ८२, सांसण २१, भोमीच

रा नहीं.

५ पुलिसके थाणा और चौकी—थाने २

जैतारण खास, रावणियां, चौकी तीन हैं.

खराड़ी, झूतां.

६ सायरके थाणे व चौकी—थाने १६ ...

है. वर, रातड़िया, रायपुर, बरांटिया, बाव

रास, गुड़िया, सुमेल, चड़ावटो, गिरी, आणदपुर, नींबाज, खार्लाजीरी बावड़ी, कुड़की, सेवरियो और काणूजो. चौकी नहीं है.

७ जागीरी ठिकाने–रास, रायपुर, नींबाज, आगेवो, बलूंदो.

८ देखने योग्य मकान नहीं है.

९ रेल–राजपूताना मालवा रेलवेके स्टेशन वर, गुड़िया, रायपुर (जैतारणरोड).

१० डाकखाना–जैतारण, रायपुर (हरीपुर) लांबियां; आनंदपुर-कालू और नींबाज.

४ जोधपुर

१ सीमा–पूर्वमें बीलाड़ा और सोजत; दक्षिण में पाली और सिवांणा; पश्चिममें पचपदरा और सेरगढ़. उत्तरमें फलोदी और नागोर.

२ क्षेत्रफल–२,८६६ मीलमुरब्बा. जिसमें खा-

खालसा ५७०; और जागीर २,३२८ हैं.

३ आबादी १,८६,६७७ मनुष्योंकी है.

४ गांव—कुल गांव ४३७, जिनमेंसे खाल
१२, मुन्तरका ६, जागीर २५३, सांसण
भोमीचारा ३ गांव हैं.

५ पुलिसके थाणा और चौकी—थाने चार
जोधपुर (महामंदिर); कैलाणा कलां; ओसि
और डुगर. चौकी ८ हैं. नांदरवा, कड़
गादेड़ी, पांचोटा खुर्द, मोकलावास, सांव
वड़लियो और काकेलाव.

६ सायरके थाणे वो चौकी—थाने २ दो
वीसलपुर और तिंवरी. चौकी ४ चार हैं. दूना
सलावास, वड़लू और गांगाणी.

७ जागीरी ठिकाने—आसोप, गच्छीपुरो, बी
मकोर.

८ देखने लायक मकान—जोधपुरका किला, घनश्यामजीका मंदिर, कुंजविहारीजीका मंदिर, तीजामाजीका मंदिर, तलहटीके महल, गुलाब सागर, सरदारमारकेट (गिरदीकोट) व घंटाघर; रातकुण्ड, स्टेशनपरका राजरणछोड़जीका मंदिर व सराय, कचहरियां, राईकाबाग, महामंदिर, बालसमंद, कायलाना; मंडोवरमें पुराने देवल; खेड़ापाका अस्थल; चोपासनीका बंधा; व राजपूत स्कूल; कापरडामें देवल; ओसियांके मंदिर इत्यादि.

९ रेल—जोधपुर बीकानेर रेलवेके स्टेशन. जोधपुर, बणाड़, आसारोनाडो; सलावास, लूणीजंकशन(चवां), सथलाणो, दूंवियो, दूनाडो, राईका बाग, महामंदिर, मंडोवर, मांणकळाव; बालरवा, रिनियां, ओसियां.

१० डाकखाना—जोधपुर (हैड आफिस),

में जालोर; उत्तरमें पाली और सोजत.

२ क्षेत्रफल—७१० मीलमुरब्बा. जिसमेंसे खा-
लसा १७४, और जागीर ५३६.

३ आबादी—६४,४१२ मनुष्योंकी है.

४ गांव—कुल गांव १३७. जिनमेंसे खालसा
२२, मुत्तरका २, जागीर ८३, सांसण ३०, भो-
मीचारा नहीं है.

५ पुलिसके थाणा और चौकी—थाने चार हैं.
देसूरी, सगरतलाव, डुठाड़ियो और रांणी. चौकी
चार हैं. बूसी, धालोप, मेहवी, कैनपुरो.

६ सायरके थांणे वा चौकी—थाने नौ हैं. देसूरी,
जवाली, गांथी, कोट, नाडोल, खींवाड़ा, सादड़ी,
घांणेराव, सोमेश्वर. चौकी नहीं है.

७ जागीरी ठिकाने—घांणेराव, चांणोद, खोड़
खींवाड़ो.

देखने लायक मकान–देसूरीका किला, नार- और घांणेरावके जैनमंदिर.

रेल–राजपूताना मालवा रेलवेके तीन स्टेशन ोमेश्वर, जवाली और रांणी. देसूरीसे रांणी शन ८ कोस है.

डाकखाना–देसूरी, घांणेराव, नाडोल, ना- ई.

७ नागोर

सीमा–पूर्वमें डीडवाणा और परबतसर; क्षणमें मेड़ता और जोधपुर; पश्चिममें फलोधी, रमें बीकानेर.

क्षेत्रफल–२,६०८ मीलमुरब्बा; जिसमें खा- ा ६६४ और जागीर १६४४.

आबादी–१,२३,६७२ मनुष्योंकी है.

गांव–कुल गांव ४४४ हैं. जिनमें खालसा

९७, मुस्तरका १४, जागीर २६५, सांसण
भोमीचारा नहीं है.

५ पुलिसके थांणा और चौकी—थाने पांच
नागोर, बूगरड़ो, कांटियो, खाटू कलां, सू
ळियो. चौकी १२ हैं. लनसारो, जायल,
सोयलांणो, पापासर, भग्गु, विरलोको, भोजा
स, डेहरू, मंजारो, चांन, गवालू.

६ सायरके थांणे वो चौकी—थाने आठ
कुचेरा, गुड़ा, खींवसर, सूरपाळियो, डेह, जाय
दुग्गोली, तांतवास. चौकी ६ हैं. खजवांणा,
मूंडवा, रोळ, बासणी, चाऊ.

७ जागीरी ठिकाने—मूंदियाड़, खाटू, हरस
व, दुग्गोली, खींवसर, पांचोड़ी, अलाय.

८ देखने लायक मकान—नागोरका कि
मोरचेका तालाव, झड़ां, गीनाणी, समस, त

ाजीकी दरगाह, मंडवेका बाग और तालाव,
। गोठ और मांगलोदके समीप दधिमती
ाजीका मंदिर और कुंड, गांव कठोतीमें
कबर बादशाहकी बनाई मस्जिद.
रेल—जे.बी. रेलवेके छः स्टेशन हैं. खजवाणा,
वा, नागोर, वड़वासी, अळाय, बड़ी खाटु,
ोड़ा; भग्गु.
० डाकखाना—नागोर, मूंडवा, खजवाणा,
रा, रोल, भग्गु, खींवसर, खाटू बड़ी, जायल.

८ पचपद्रा

सीमा—पूर्वमें जोधपुर; दक्षिणमें सिवाणा;
श्चममें बाड़मेर; उत्तरमें सिवाणा.
क्षेत्रफल—८५६ मीलमुरब्बा. जिसमें खाल-
८१ जागीर ७७५.
आबादी—२५,७११ मनुष्योंकी है.

४ गांव—कुल गांव १०७ हैं. जिनमें १४, मुस्तरका १, जागीर ४३, सांसण भोमीचारा नहीं है.

५ पुलिसके थांणा और चौकी—थाने बालोतरा, भांडियावास. चौकी नहीं है.

६ सायरके थांणा वा चौकी—थाने २ हैं. दरा और बालोतरा. चौकी १ है. पाटोदी.

७ जागीरी ठिकाने—आसोतरो, कांणाणो रखो, बाघावास, पाटोदी और कल्याणपुर

८ देखने लायक मकान—नमककी खानें.

९ रेल—जे. बी. रेलवेके चार स्टेशन हैं. पार जांणियांणो, बालोतरा और पचपदरा.

१० डाकखाना—पचपदराखास, साल्टलाइन बालोतरा.

९ परबतसर

१सीमा–पूर्वमें किसनगढ़; दक्षिणमें अजमेर; पश्चिममें मेड़ता; उत्तरमें मेड़ता और मारोठ.

२ क्षेत्रफल–८४० मीलमुरब्बा; जिसमें खाल॰ ॥ ७१; और जागीर ७६१.

३ आबादी–१,०५,३०५ मनुष्योंकी है.

४ गांव–कुल गांव १६५; जिनमें खालसा २५, मुस्तरका २, जागीर ११३, सांसण २५, भोमीचारा नहीं है.

५ पुलिसके थाणा और चौकी–थाने २ हैं. परबतसर और बरूण. चौकी पांच हैं. अळतवो, काड़ोली, राणीगांव, हरनांवो और भकरी.

६ सायरके थाने वो चौकी–थाने १३ हैं. पीपळाद, भाजरा, भूतीयास, खूंदियास, बसी, पीही पुरोट, बड़ु, भकरी, धूड़सू, रिड़, मगलांणा, ढाढोता. चौकी ३ हैं. बोरावड़, मकरांणा, गच्छीपुरो.

७ जागीरी ठिकाने—बूडसू, मनांणो, वडु, गूलर, भकरी.

८ देखने लायक मकान—मकरांणेकी खानें, किणसरियाकी माताका मंदिर.

९ रेल—जे. बी. रेलवेके स्टेशन तीन हैं, गच्छीपुरा, बोरावड़, मकरांणा. परबतसर मकरांणा स्टेशनसे ६ कोस है.

१० डाकखाना—परबतसर, भकरी, जावळो, डिड़, वडू, बूडसू, बोरावड़ और मकरांणा.

१० पाली

१ सीमा—पूर्वमें सोजत; दक्षिणमें देसूरी और जालोर; पश्चिममें सिवांणा और जोधपुर; उत्तरमें जोधपुर और सोजत.

२ क्षेत्रफल—१,०२४ मीलमुरब्बा है. जिसमें खालसा १८६; जागीर ८३८.

३ आबादी–५०,७१६ मनुष्योंकी है.

४ गांव–कुल गांव ८२ हैं. जिनमें खालसा १६, मुस्तरका३, जागीर ३८, सांसण २५, भोमीचारा नहीं है.

५ पुलिसके थांणा और चौकी–थाने २ हैं. पाली और गुड़ा. चौकी पांच हैं. मुनियाड़ी, जैतपुरो, नींमलो, सांपो, लगरां.

६ सायरके थांणा वो चौका–थाना १ है. पाली खास, चौकी २ हैं. रोयट, गूंदोच.

७ जागीरी ठिकाने–रोयट, खैरवा.

८ देखने लायक मकान–पालीमें तलाव लहोड़िया और बड़ा, पूनागरकी भाकरी.

९ रेल–जे. बी. रेलवेके स्टेशन चार हैं. रोयट, केरलो, पाली, बूंभादड़ो.

१० डाकखाना–पाली.

७ जागीरी ठिकाने—बूडसू, मनांणो, वड़ू,
भकरी.

८ देखने लायक मकान—मकराणेकी
किसुसरियाकी माताका मंदिर.

९ रेल—जे. बी. रेलवेके स्टेशन तीन
गच्छीपुरा, बोरावड़, मकरांणा. परवतसर
रांणा स्टेशनसे ६ कोस है.

१० डाकखाना—परबतसर, भकरी, जा...
रिड़, वडू, बूड़सू, बोरावड़ और मकरांणा.

१० पाली

१ सीमा—पूर्वमें सोजत; दक्षिणमें देसूरी
जालोर; पश्चिममें सिवांणा ... ...पुर; ...
में जोधपुर और सोजत.

२ क्षेत्रफल—१,०२४ ...
खालसा १८६;

१ आबादी–५०,७१६ मनुष्योंकी है.

२ गांव–कुल गांव ८२ हैं, जिनमें खालसा १६, सरकार ३, जागीर ३८, सांसण २५, भोमीचारा ... हैं.

४ पुलिसके थांणा और चौकी–थाने २ हैं. ...ली और गुड़ा, चौकी पांच हैं, मुनियाड़ी, ...तपुरो, नीमलो, सांपो, तगरां.

६ सायरके थांणा वो चौकी–थाना १ है. पाली ...स, चौकी २ हैं. रोयट, गूंदोच.

७ जागीरी ठिकाने–रोयट, खैरवा.

८ देखने लायक मकान–पालीमें तलाव लखो- ...या और बड़ा, पूनागरकी भाकरी.

६ रेल–जे. बी. रेलवेके स्टेशन चार हैं, रोयट, ...रलो, पाली, बूंभादड़ो.

१० डाकखाना–पाली,

११ फलोधी

१ सीमा—पूर्वमें नागोर; दक्षिणमें जोधपुर और शेरगढ़; पश्चिममें साकड़ा और जैसलमेर; उत्तरमें बीकानेर और जैसलमेर.

२ क्षेत्रफल—२,६२४ मीलमुरब्बा है. जिसमें खालसा ४२०, और जागीर २,२०४.

३ आबादी—५८,५७८ मनुष्योंकी है.

४ गांव—कुल गांव ६६ हैं. जिनमें खालसा १३, मुस्तरका नहीं; जागीर ४५, सांसण ८, भोमीचारा नहीं.

५ पुलिसके थाणा और चौकी—थाने चार हैं. फलोधी, ऊदट, भोजासर, भेड़. चौकी ७ हैं जांभा, बापड़ी, गोदीणां, मूंजासर, नासर, ढिल्ला डूसर.

६ सायरके थाणे वा चौकी—थाने २ हैं. ऊदट

७. चौकी ३ हैं. बावड़ी, लोहावट, खीचंद.
७ जागीरी ठिकाने–आहू, जांभो, जाखण.
८ देखने लायक मकान–माता लटियालजीका
मंदिर और सेठोंके मकान.
९ रेल–इस परगनामें नहीं है. काम जारी है.
१० डाकखाना–फलोधी, लोहावट, खीचंद.

११ बाड़मेर

१ सीमा–पूर्वमें पचपदरा, सिवाणा और जालोर; दक्षिणमें जसवंतपुरा और साचोर; पश्चिममें सिंध और सिव; उत्तरमें सिव, साकड़ा और शेरगढ़.
२ क्षेत्रफल–५,७६० मीलमुरब्बा है. जिसमें खालसा ४४ और जागीर ५,७१६.
३ आबादी–१,६२,०४७ मनुष्योंकी है.
४ गांव–कुल गांव ५०७ हैं जिनमें खालसा १;

मुस्तरका नहीं; जागीर नहीं; सांसण ३६; मीचारा ४७०.

५ पुलिसके थांणा और चौकी–थाने चार घाहड़मेर, चौहटन, गुड़ा, जसोल. चौकी १२ धीजासर, सादूलरोपड, हटमान. भांणियान, वढ़ो, भदरासा, सातूपानरावळभीमजी, कानेड़ो, कसूंबलालांणाभाटियां, भाटकी,

६ सायरके थांणे वो चौकी–थाने ५ हैं. चोहटण, सिणदरी, गुड़ा और रामसर. चौकी हैं. धोरीमना, आरग, जेसिंघभर, गडरारोड,

९ रेल—जे. बी. रेलवेके स्टेशन ११ हैं. गोळ, ...येतू, जेलिंघधर, गडरारोड़, कवास, बाहड़मेर, ...साई, खादीन, भाचभर, रामसर, गागरिया.

१० डाकखाना—बाहड़मेर, जसोल, गडरारोड़.

१३ पाली

१ सीमा—पूर्वमें उदेपुर; दक्षिणमें सिरोही; पश्चिम ...ें सिरोही और जालोर; उत्तरमें देसूरी.

२ क्षेत्रफल—८३४ मीलमुरब्बा. जिसमें खाल...सा २०१, जागीर ६३३.

३ आबादी—१५,७१६ मनुष्योंकी है.

४ गांव—कुल गांव १५८. जिसमें खालसा ३६, ...ुस्तरका नहीं, सांसण १६, जागीरी १०३.

५ पुलिसके थाणा और चौकी—थाने चार हैं. ...ाली, सेणा, पालड़ी, बजाणा. चौकी चार हैं ...नाणो, गुड़ो देवीसिंह, खिनावदो, लाटाड़ो.

६ सायरके थांणा वो चौकी—थाने २१ हैं. व
बांणा, चावंडेरी, सेवाड़ी, बीजापुर, बेड़ा, सुमेर
पावा, सांडेराव, बीरोलिया, नाना कोरटा, क
पुरा, रघनाथपुरा, पालड़ी, लूणावा, लाट
तखतगढ़, नांणा, खुडाला, चाणोद, बांव
खींवाणदी. चौकी नहीं है.

७ जागीरी ठिकाने—बेड़ो, सांडेराव, बूसी.

८ देखने लायक मकान—गांव सादड़ीमें राण
पुरीजीका मंदिर.

९ रेल—राजपूताना मालवा रेलवेके ६ स्टेश
हैं. * फालणा (खुडालो), ऐरणपुरा रोड़, मो
नांणो, सांडेराव, राणी.

१० डाकखाना—वाली, नांणो, सादड़ी, से
ड़ी, चाणोद, कोसेलाव, तखतगढ़, मोरी, रा

---

* वालीसे ४ कोस है.

फालणा, सांडेराव, बलवाणा (ओरनपुरा रोड).

१४ पीलाड़ा

१ सीमा—पूर्वमें जैतारण; दक्षिणमें सोजत; पश्चिममें जोधपुर; उत्तरमें जोधपुर और मेड़ता,

२ क्षेत्रफल—७९२ मीलमुरब्बा. जिसमें खालसा २२४, जागीर ५६८.

३ आबादी—५८,६६७ मनुष्योंकी है.

४ गांव—कुल गांव ९१. जिनमें खालसा १६, मुस्तरका १, जागीर ६२, सांसण १२, भोमीचारा नहीं.

५ पुलिसके थाणा और चौकी—थाने दो हैं. पीलाड़ा; रींयां. चौकी पांच हैं. कुर, लांबा, रजलाणी, कुड़ा, लांबियां.

६ सायरके थाणे वो चौकी—थाने ३ हैं. पींपाड़रोड, पींपाड़ और बीलाड़ा. चौकी २ है. भावी, बड्लू.

७ जागीरी ठिकाने—खेजड़ला, साथीण, बोरूं

८ देखने लायक मकान—आईजीका मंदिर, गंगाका कुंड, पिचियाकका बंधा.

९ रेल—जे. बी. रेलवेके स्टेशन ६ हैं. पीपाड़ रोड़ (सालवा), उमेद, पीपाड़सिटी, सिलारी, भावी और बीलाड़ा.

१० डाकखाना—बीलाड़ा, पीपाड़, पीपाड़रोड़ (सालवा).

१५ मेड़ता

१ सीमा—पूर्वमें परवतसर और अजमेर; दक्षिणमें जैतारण और बीलाड़ा; पश्चिममें बीलाड़ा और जोधपुर; उत्तरमें नागोर और डीडवाणा.

२ क्षेत्रफल—१,६१६ मीलमुरब्बा है जिसमें खालसा ३०५ जागीर १,३०० है

३ आबादी–१,२९,४५४ मनुष्योंकी है.
४ गांव–कुल गांव ३१५ हैं. जिनमें
८४, मुस्तरका ६, जागीर २४२, सांसण ६३,
भोमीचारा नहीं.
५ पुलिसके थांणा और चौकी–थाने
मेड़ता, पीजापळ, तिलाणेस, फलोधी. चौकी
हैं. फेवरघाट, डीरावास, थांवळा,
खेड़ी, राजोद, गगरांणा, लाखड़की.
६ सायरके थांणे वो चौकी–थाने ११ हैं वीजा-
पळ, आलणीयावास, लाडपुरो, वासणी, रीयांवडी,
हरसोर, भोजपुरो, वाडीघाटी, थांवला, लाखी-
णा, हरसालाव. चौकी ६ हैं. गगरांणा, रैण,
सांजू, फलोधी, चांदारूण, जसनगर.
७ जागीरी ठिकाने–रीयां, आलणियावास,
डोडियाणो, रैण, जसनगर (केकींद).

८ देखने लायक मकान—चतुर्भुजजीका मंदिर, मस्जिद, मालकोट, फलोधीमें जैनका मंदिर और ब्रह्माणीका मंदिर.

९ रेल—जे. बी. रेलवेके ६ स्टेशन हैं. गोठण, फलोधी (मेड़तारोड़), रैण, मेड़ता, डेगाना, देसवाल.

१० डाकखाना—मेड़ता, हरसोर, गोठण, फलोधी (मेड़तारोड़), रैण, रीयां, चांदारूण, डेगाणा.

१६ साकड़ा

. सीमा—पूर्वमें सेरगढ़; दक्षिणमें मालाणी और सिव; पश्चिममें जैसलमेर; उत्तरमें फलोधी.

२ क्षेत्रफल—१,२६४ मीलमुरब्बा. जिसमें खालसा नहीं. जागीर १,२६४.

३ आबादी—१६,४१६ मनुष्योंकी है.

४ गांव—कुल गांव २४ हैं. जिनमें खालसा नहीं,

रका नहीं, जागीर ८, सांसण ३, भोमीचारा १३.
पुलिसके थाणा और चौकी—थाने २ हैं.
ड़ा, पड़ली. चौकी ४ हैं. मोरवो, सनावड़ो,
देवरो, खिलूणो.
सागरके थाणे वो चौकी—थाना १ है. पोक-
चौकी १ है. खिलूणा.
जागीरी ठिकाना—पोकरण.
देखने लायक मकान—गांव रामदेवरामें
वजीका मंदिर.
रेल—इस परगनामें नहीं है.
१० डाकखाना—साकड़ा, पोकरण.

१७ सांचोर

१ सीमा—पूर्वमें जसवंतपुरा; दक्षिणमें पालन-
; पश्चिममें सिंध; उत्तरमें बाड़मेर.
२ क्षेत्रफल—१,७३६ मीलमुरब्बा है.

खालसा ५०, जागीर १,७२६.

३ आबादी–८०,२३० मनुष्योंकी है.

४ गांव–कुल गांव २३७ हैं. जिनमें खा
११, मुस्तरका नहीं, जागीर ८६, सांसण
भोमीचारा ११७.

५ पुलिसके थांणा और चौकी–थाने चार
साचोर, ओगाळो, बाखासर, भवातड़ो. चौ
सात हैं. अरणाय, पांचालो, रणोधर, होतीग
आखेल, अचलपुरो, सेरवो.

६ सायरके थांणे वो चौकी–थाने १२ हैं. भ
तड़ो, हाडेचा, बाखासर, चीतलवांणा, जाण
झाब, चालकणो, बिरोल, सुरावो, अचल
धालेरा, गरडाली, लूणीयासर. चौकी ३ हैं.
रीसरा, लाछीवाड, नानोल.

७ जागीरी ठिकाने-सूराचंद, भवातड़ो, चीत

मालवा रेलवेके हैं. गुड़ा और सांभर.

१० डाकखाना–सांभर (हैड आफिस), गुड़ा, कुचामण, नांवा (कुचामण रोड), मारोठ, पाटवा, नराणपुरा.

१६ सिव

१ सीमा–पूर्वमें साकड़ा और वाड़मेर; दक्षिण वाड़मेर; पश्चिममें सिंध; उत्तरमें जैसलमेर.

२ क्षेत्रफल–२,४०० मीलमुरब्बा, जिसमें खालसा २६६, जागीर २,१३४.

३ आबादी–३१,२११ मनुष्योंकी है.

४ गांव–कुल गांव ७५, जिनमें खालसा १, हतका १३, जागीर ६, सांसण १३, भोमीचारा ४२.

५ पुलिसके थांणा और चौकी–थाने चार हैं. व, ऊंडू, सूंदरा, गिराव. चौकी पांच हैं. वरगो, आरंग, नागड़ूंडो, राजरेज, लीलमण.

मारोठ, हुंडील, सांभर, गुड़ा, चौकी चा
मोतीपुरो, केरपुरो, मूंडघसाई, डोहरी,
६ सायरके थांणा नो चौकी—थाने ११ हैं
ठ, गुड़ा, सांभर, सांमगढ़, मींडा, लूणवा
तावा, चावंडिया, कुचांमण, घाटवा,
चौकी ३ हैं. बेणीयारी, राजलिया, रा
७ जागीरी ठिकाने—कुचामण, भांवतो
यो, पांचोतो, लूणावो, पांचवो, मींडो,
सारगोट.
८ देखने लायक मकान—नमकका
भरीका मंदिर, देवदानीका कुंड औ
कुचामणका किला और महल, मी
मातांजीका मंदिर, नावांमें समंद.
९ रेल—जे. बी. रेलवेके दो स्टेशन
पुरा, कुचामण रोड. और दांही

ा, होतीगांव.
देखने लायक मकान नहीं है.
रेल—नहीं है. डीसा ३२ कोस पड़ता है.
डाकखाना—साचोर.

१८ सांभर

सीमा—पूर्वमें जयपुर; दक्षिणमें जयपुर और
ानगढ़; पश्चिममें परबतसर और डीडवाणा;
रमें जयपुर.
क्षेत्रफल—७२० मीलमुरब्बा है. जिसमें खा-
ा २१५, जागीर ५०५.
आबादी—६५,७५८ मनुष्योंकी है.
गांव—कुल गांव १३८ जिनमें खालसा ८,
ारका १९, जागीर १११, सांसण नहीं. भोमी-
ा नहीं.
पलिसके थाना और चौकी—थाने चार हैं.

नारोठ, हुंडील, सांभर, गुड़ा. चौकी चार हैं,
मोतीपुरो, केरपुरो, मूंडघसाई, डोहरी,
६ सायरके थाणा वो चौकी–थाने ११ हैं. मारो
ठ, गुड़ा, सांभर, सांमगढ़, मींडा, लूणवा,
तावा, चावंडिया, कुचांमण, घाटवा,
चौकी ३ हैं. बेणीयारी, राजलिया, राजपुर,
७ जागीरी ठिकाने–कुचामण, भावतो,
यो, पांचोतो, लूणावो, पांचवो, मींडो, मीठ
सारगोट.
८ देखने लायक मकान–नमकका सर,
भरीका मंदिर, देवदानीका कुंड और
कुचामणका किला और महल, मींडामें
माताजीका मंदिर, नावांमें समंद.
९ रेल–जे. बी. रेलवेके दो स्टेशन हैं.
पुरा, कुचामण रोड. और दोही राजपू

मालवा रेलवेके हैं. गुड़ा और सांभर.

१० डाकखाना–सांभर (हैड आफिस), गुड़ा, कुचामण, नांवा (कुचामण रोड), मारोठ, डीडवा, नराणपुरा.

१६ सिव

१ सीमा–पूर्वमें साकड़ा और बाहड़मेर; दक्षिण बाहड़मेर; पश्चिममें सिंध; उत्तरमें जैसलमेर.

२ क्षेत्रफल–२,४०० मीलमुरब्बा, जिसमें खासा २६६, जागीर २,१३४.

३ आबादी–३१,४११ मनुष्योंकी है.

४ गांव–कुल गांव ७५, जिनमें खालसा १, ...तरका १३, जागीर६, सांसण१३, भोमीचारा४२.

५ पुलिसके थाणा और चौकी–थाने चार हैं. ...र, ऊंडू, सूंदरा, गिराब. चौकी पांच हैं. बर...गी, आरंग, नागड़ूंडो, राजेरेल, लीलमण.

६ सायरके थांणे वो चौकी-थाने २ हैं. सिव, बालेवा. चौकी २ हैं. आरंग, तामलोर.

७ जागीरी ठिकाने—नहीं. कोटड़ीका भोमिया

८ देखने लायक मकान—नहीं.

९ रेल—नहीं बाहड़मेरसे १६ कोस.

१० डाकखाना—शिव.

२०. सिवाणा

१ सीमा—पूर्वमें पाली और जालोर; दक्षिण जालोर; पश्चिममें बाहड़मेर; उत्तरमें पचप और जोधपुर.

२ क्षेत्रफल—७६० मीलमुरब्बा. जिसमें खा सा ४३, जागीर ७१७.

३ आबादी—४०,८५४ मनुष्योंकी है.

४ गांव—कुल गांव१२७. जिनमें खालसा६, मु रका ३, जागीर १८, सांसण१७, भोमीचारा

५ पुलिसके थाणा और चौकी–थाने दो हैं. समदड़ी, सिवाणा. चौकी चार हैं. मेवड़ा, कुंडल, जामूजो, मोकलसर.

६ सायरके थाणे वो चौकी–थाने २ हैं. सिवाणा, समदड़ी. चौकी १ है. पादरू.

७ जागीरी-ठिकाने–राखी, समदड़ी, कल्याणपुर, पादरू.

८ देखने लायक मकान–सिवाणेका किला, हलदेश्वर महादेवका मंदिर, अजीतसिंहका :

९ रेल–जे. बी. रेलवेके स्टेशन दो हैं. अजी. समदड़ी.

१० डाकखाना–सिवाणा, समदड़ी.

११ सेरगढ़

१ सीमा–पूर्वमें जोधपुर; दक्षिणमें और बाड़मेर; पश्चिममें साकड़ा; उत्तरमें

२ क्षेत्रफल—१,४५६ मीलमुरब्बा. जिसमें खालसा ६८, जागीर १,३५८.

३ आबादी—५८,०२७ मनुष्योंकी है.

४ गांव—कुल गांव ८१ हैं. जिनमें खालसा ५, मुत्तरका नहीं. जागीर २१, सांसण ११, भोमीचारा ४४.

५ पुलिसके थांणा और चौकी—थाने दो हैं देछू और सेरगढ़. चौकी पांच हैं. सिवाळिया, बालेसर, बसतवो, दसांणियो, सोलंखियोंका तळा.

६ सायरके थांणा वा चौकी—थाने ३ हैं. बालेसर, चांबू, फलसूंड. चौकी नहीं है.

७ जागीरी ठिकाने—बेलवो, सेतरो, देछू, चामू, केतु.

८ देखने लायक मकान—नहीं.

९ रेल—नहीं. पचपदरा १६ कोस है.

१० डाकखाना—सेरगढ़.

२२ सोजत

१ सीमा—पूर्वमें अजमेर; दक्षिणमें देसूरी; पश्चिममें पाली और जोधपुर; उत्तरमें बीलाड़ा और जैतारण.

२ क्षेत्रफल—१,१७२ मीलमुरब्बा. जिसमें खालसा २६७, जागीर ६०५.

३ आबादी—१,०४,३७० मनुष्योंकी है.

४ गांव—कुल गांव २११ हैं. जिनमें खालसा ४१, मुस्तरका १६, जागीर ११३, सांसण ३६, भोमीचारा ५.

५ पुलिसके थाणा और चौकी—थाने तीन हैं. सोजत, सूरसिंहका गुड़ा, घुरासणी. चौकी सात हैं. जाडण, खारची, केलवाद, पलासणी, ... स, खारिया, दूदोड़.

६ सायरके थाणे वो चौकी—थाने १४ हैं.

गुड़ा, बगड़ी, दूदोड़, सारण, सिरीयारी, मुरडावा, जोजावर, राणावास, आउवा, भींवालिया, धूंदलो, खारची, कंटालिया, कुशाल. चौकी १ है. बिरदोंकी देह.

७ जागीरी ठिकाने—आउवा, चंडावल, बगड़ी, कंटालिया.

८ देखने लायक मकान—सोजतमें पहाड़ी पर चामुंडा माताका मंदिर वो बाग, आउवामें महादेवका मंदिर. सारणमें नाथोंका आसण.

९ रेल—राजपूताना मालवा रेलवेके ६ स्टेशन. चंडावल, सोजतरोड़ (धूंदलो), धारेश्वर, मारवाड़ जंकशन (खारची), आउवा, भींवालिया.

१० डाकखाना—सोजत, सोजतरोड़, आउवा, भींवालिया, धारेश्वर, मारवाड़ जंकशन (खारची), चंडावल, बगड़ी, सारण.

पुस्तक मंगावणरो पतो पंडित रामकर्ण, मोतीचौक, जोधपुर.

॥ श्रीः ॥

मारवाड़ी पैली पुस्तक

—*—

दाधीच आसोपा पंडित बलदेवात्मज

पण्डित रामकर्ण—श्यामकर्ण

बणाय

निज प्रतापप्रेस यन्त्रालय में

छाप प्रकाशित करी.

सम्वत् १९६२

जोधपुर.

तीजो वार २०००   कीमत आधो आनो

भूमिका

—०*०—

मारवाड़ी भाषा जगत् प्रसिद्ध है, और
त है; तथापि लोग इण भाषारा नियम नहीं
है; कारण आजताई किणी विद्वान् इणरा
रण तथा पैलो, दूजो, तीजो, चौथी आदि
वणाई नहीं; सो इण भाषारो बालकांनै बो
णरैवास्तै प्रथम पैली, दूजी, तीजी, चौथी
पुस्तकां तथा इण भाषारा नियम जांण
'मारवाडी व्याकरण' वणाई है सो यथावका
सनैं सारी पुस्तकां छापर प्रसिद्ध करणमें आ

पण्डित रामकर्ण.

च चा चि ची चु चू चे चै चो चौ चं च

छ छा छि छी छु छू छे छै छो छौ छं छः ॥ ७

ज जा जि जी जु जू जे जै जो जौ जं

झ झा झि झी झु झू झे झै झो झौ झं

ञ ञा ञि ञी ञु ञू ञे ञै ञो ञौ ञं

ट टा टि टी टु टू टे टै टो टौ टं टः।

ठ ठा ठि ठी ठु ठू ठे ठै ठो ठौ ठं ठः।

ड डा डि डी डु डू डे डै डो डौ डं डः ॥

ढ ढा ढि ढी ढु ढू ढे ढै ढो ढौ ढं ढः ॥१४

ण णा णि णी णु णू णे णै णो णौ णं णः॥

त ता ति ती तु तू ते तै तो तौ तं तः ॥१

थ था थि थी थु थू थे थै थो थौ थं थः ॥

द दा दि दी दु दू दे दै दो दौ दं दः ॥१

ध धा धि धी धु धू धे धै धो धौ धं धः ॥

न ना नि नी नु नू ने नै नो नौ नं नः ॥

प पा पि पी पु पू पे पै पो पौ पं पः ॥२

फ फा फि फी फु फू फे फै फो फौ फं फः॥

वि वी वु वू वे वै वो वौ वं वः ॥२३॥
ञि ञी ञु ञू ञे ञै ञो ञौ ञं ञः॥२४॥
मि मी मु मू मे मै मो मौ मं मः ॥२५॥
यि यी यु यू ये यै यो यौ यं यः ॥२६॥
रि री रु रू रे रै रो रौ रं रः ॥ २७ ॥
लि ली लु लू ले लै लो लौ लं लः॥२८॥
वि वी वु वू वे वै वो वौ वं व ॥२९॥
शि शी शु शू शे शै शो शौ शं शः॥३०॥
षि षी षु षू षे षै षो षौ षं षः ॥३१॥
सि सी सु सू से सै सो सौ सं सः॥३२॥
हि ही हु हू हे है हो हौ हं हः ॥३३॥

सिधां

त+र=त्र.प+र=प्र.म+य=म्य.
सिधो वरणा. ममा मनाया. त्र प्र चतुरक
दउ सयगा. दमे समाना.नेपांउ दुधवा घर
वरणा नसीम्न वरणो. पुरघो रसवा. पारो
सारो ... विधाजे नाधी [illegible]

च चा चि ची चु चू चे चै चो चौ चं चः

छ छा छि छी छु छू छे छै छो छौ छं छः ॥ ७ ॥

ज जा जि जी जु जू जे जै जो जौ जं जः

झ झा झि झी झु झू झे झै झो झौ झं झः

ञ ञा ञि ञी ञु ञू ञे ञै ञो ञौ ञं ञः

ट टा टि टी टु टू टे टै टो टौ टं टः ॥

ठ ठा ठि ठी ठु ठू ठे ठै ठो ठौ ठं ठः ॥

ड डा डि डी डु डू डे डै डो डौ डं डः

ढ ढा ढि ढी ढु ढू ढे ढै ढो ढौ ढं ढः ॥१

ण णा णि णी णु णू णे णै णो णौ णं णः

त ता ति ती तु तू ते तै तो तौ तं तः ।

थ था थि थी थु थू थे थै थो थौ थं थः

द दा दि दी दु दू दे दै दो दौ दं दः ॥

ध धा धि धी धु धू धे धै धो धौ धं धः

न ना नि नी नु नू ने नै नो नौ नं नः

पि पी पु पू पे पै पो पौ पं पः ॥

भाभा मामा नाना काका लाला दादा राजा
ा ठावा ॥

पाठ ३

मि कि सि चि हि जि वि गि नि
मिस किण सिव चित हित जिण विना गि
नेत

पाठ ४

जी पी ली सी वी घी ही णी ळी ती
ी जीजी पीपी लीली सीसी वीडी घी दही
ी काळी तीर

पाठ ५

ु चु तु सु उ हु रु मु वु जु गु ।
ा गुण चुण तुस सुणा उशा हुक रुई मुनि.
जुई गुजी.

पाठ ६

गू. पू. पू. सू रू. घू. दू. चू. मू.
ः गूगू. पूडी. पूव. ... घूर. दूद.

कंठ वंट दरू धंधो गंदो शंप मांचो कांदो चांद चूंदी.

पाठ १२

घरे जावो, रोटी पावो, हात धोवो, पोसाळ जा. पोथी परू, आपर वांच, याद राप. सफा रै. हसो मती. रमणो नहीं. पाठ घोप ॥

पाठ १३

थारो काम कर. कपड़ा पैर. हात मूंडो धो. भगवानसूं डर. मा वापरी चाकरी कर. किणीसूं लड़णो नहीं. सगळांसूं पियार कर. राजी रै. वडा री अदव राप. मीठो वोल. साच वोल. झूट मत वोल ॥

पाठ १४

गैणा पैर वारै नहीं जावणो. माता रो हुकम मांनणा. गुरुनैं नमस्कार करणो. रूणा सरू करणो. आपर सीपणा वे द रापणा, नैं हातसूं

सलेट ऊपर लिषणा. आषर लिषणासूं जम जावे है॥

पाठ १५

गुरु कनैं पाठ पढ़ै वो घरे आय मूंढ़ै कर लेणो. आषर मतासूं जाड़ जोड़नैं बाचणा. समजमें नहीं आवे वे गुरुनैं पूछ लेणा, परंत वे इता याद राषणा कै दूजीवार आवै जद आपसूं व व जावै. सगळा विद्यार्थियांसूं मळ राषणा. आप दूजो पूछै तो बताय देणो. किणीसूं राषणी. नहीं आवै वो माहोमाहमें णो।

पाठ १६

कलमरो अंट काढो. छुरी तीषी घणी है. ूं चोळ मत करो. नहीं तो लागजावैला. काग पैनासल सदाई आघौ कनैं राषा. मांयनां नहीं वै वा कागदमें लिप लेवणो चहीजे. पांथीनैं सावचेतीसूं अँवरनैं राषो. इसकूल जावणमें ज ग

त करो, नहीं तो गुरु मारेला.

पाठ १७

कपड़ा सफा रापो. मैला कपड़ा पैरणमें घणी वातांरा हरकत है. एक तो वडा आदमी कनें जावतां सरमावणा पड़े दूजो कपड़ो वेगो फाट जावे. तीजो मन वेपातर रयाकरे. चोथो वडो आदमी आपैरे कनें नहीं आवण देवे ॥

कहाणी पैली

एक वांदरे कांई एक आदमीनें वाड़रे नीचे की चीज निगावतो देखियो, आदमी गया पछै वांदरे देखियो के देखांण आ कांई चीज है? आ पांई देखां. पा चपळता कर उठगयो. अठी उठी टंटोळण लागो, टेट व्हतांई लोहरा जाळमें हात पस गयो, जद रायो. 'आहि!! म्हारा हात पस गयो, उणरो रोज सुण चीज धरणवाळ आ... के किणी मरपरो हात पस गयो दीसे. आयर देखे तो वांदराजी रोवै है, जरां नेड़ो आय उ

छूटायो ॥

जिणसूं कैणो है कै अजाणी चीजमें विना समांजयां हात घालणो नहीं, नहीं तो वांदराकी ळी हुवे ॥

काणी दूजी

एक षच्चर अर एक गद्धो साथे जावता हा, षच्चररै माथे तो लूणरी बोरी ही, नै गद्धारै माथे रुईरो बोरो हो, सो जावतां जावतां आगे नदी आ-जरां षच्चर नदी में वैठ गयो, जिणसूं लूण गळ ल गयो. और षच्चररो बाज घट गयो, जरां उण दषर गद्धै जांणियो कै पाणी में वैठां बाज हळ- ा हुवे दीसै, सो उणरी वेषादषी आपई नदी में ठ गयो जिणसूं रुईरो बोरो भीजर बाज इत्तो हो यो कै गद्धासूं उण ठाडसूं मुसकीजियो पिण न ा, नै उठरोउठ मर षूटो ।

जिणसूं बडा लागां कही है कै विना सम-झियां किणारी दषादषी काम नहीं करणो . जो

देखादेखी करै उणामें गद्धावाळी हुवै ।

काणी तीजी

एक आदमीरै कनैं एक हंस हो, वो रोजी सोनारो एक ईंडा दवतो, परंत वो आदमी अर लालची हो, सो मन में विचारियो के इणनैं म नाखूं तो सगळा ईंडा एकण साथ हात लागजा यूं विचारनैं मार नाखियो, तो कांई हात आयो हीं, अर सांमी आ हुई के रोजीनां एक एक ईंड हात आवतो हो वो पण गमायो ॥

बडा आदमी कही है के अतंत लोभ नहीं क रणो, घणो लोभ करणासूं इण आदमीवाळी हुवै

काणी चोथी

एक कागलो नैं घिरगोस वाद विकिया के देखांणा आगाडी कुण जावै नैं दोनुं जणा वहीर हुवा तो घिरगोस दोड़र निरो आ गयो नै पाछो घिर देखे तो कागलो नि रै धार ... है, जद इण ...

१	१०	१०	११	१	११	१२	१	१२	१३	१	१३	१४	१	१
२	१०	२०	११	२	२२	१२	२	२४	१३	२	२६	१४	२	२
३	१०	३०	११	३	३३	१२	३	३६	१३	३	३९	१४	३	४
४	१०	४०	११	४	४४	१२	४	४८	१३	४	५२	१४	४	५
५	१०	५०	११	५	५५	१२	५	६०	१३	५	६५	१४	५	७
६	१०	६०	११	६	६६	१२	६	७२	१३	६	७८	१४	६	८
७	१०	७०	११	७	७७	१२	७	८४	१३	७	९१	१४	७	९
८	१०	८०	११	८	८८	१२	८	९६	१३	८	१०४	१४	८	११
९	१०	९०	११	९	९९	१२	९	१०८	१३	९	११७	१४	९	१२
१०	१०	१००	११	१०	११०	१२	१०	१२०	१३	१०	१३०	१४	१०	१४

१५	१	१५	१६	१	१६	१७	१	१७	१८	१	१८	१९	१	१
१५	२	३०	१६	२	३२	१७	२	३४	१८	२	३६	१९	२	३
१५	३	४५	१६	३	४८	१७	३	५१	१८	३	५४	१९	३	५
१५	४	६०	१६	४	६४	१७	४	६८	१८	४	७२	१९	४	७
१५	५	७५	१६	५	८०	१७	५	८५	१८	५	९०	१९	५	९
१५	६	९०	१६	६	९६	१७	६	१०२	१८	६	१०८	१९	६	११
१५	७	१०५	१६	७	११२	१७	७	११९	१८	७	१२६	१९	७	१३
१५	८	१२०	१६	८	१२८	१७	८	१३६	१८	८	१४४	१९	८	१५
	९	१३५	१६	९	१४४	१७	९	१५३	१८	९	१६२	१९	९	१७
	१०	१५०	१६	१०	१६०	१७	१०	१७०	१८	१०	१८०	१९	१०	१९

२०	१	२०	२०	३	६०	२०	५	१००	२०	७	१४०	२०	९	१८
२०	२	४०	२०	४	८०	२०	६	१२०	२०	८	१६०	२०	१०	२०

॥ श्री ॥

मारवाड़ी दूजी पुस्तक

दाहिमा आसोपा पंडित बलदेवात्मज

पंडित रामकर्ण–श्यामकर्ण

बणाय

निज प्रतापप्रेस यंत्रालयमें

छाप प्रकाशित करी.

संवत् १९६९.

जोधपुर

॥ श्रीः ॥

भूमिका
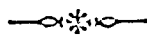
मारवाडी भाषारी उन्नतिरे वास्तै म्हैं मारवाडी व्याकरण तथा मारवाडी पैली पुस्तक छपाई और वे पुस्तकां देष लोगां वणांरी बोत प्रशंसा करी.

म्हनैं इण वातरी वडी षुसी है कै कायस्थ सभा इणां पुस्तकांरी कदर कर स्वकीय पाठ-शालारी पढाई में मुकर्रर करी जिणसूं उत्सा-हित हुय हूं आ मारवाडी दूजी पुस्तक प्रकाशित करूं हूं और म्हनैं परम आशा है कै सर्व लोक इण पुस्तकनैं पण पसंद कर प्रचलित करैला ॥

पण्डित रामकर्ण शर्म्मा.

श्रीः

मारवाड़ी दूजी पुस्तक

संयुक्ताक्षर

—०※०—

क् क क्क चक्कर पक्को चक्की
क् ख क्ख चक्खो मक्खी
क् ट क्ट कलेक्टर
क् त क्त भक्त रक्त मुक्ति
क् म क्म रुक्म रुक्मणी
क् य क्य क्यूंके
क् र क्र क्रिया
क ल क्ल शुक्ल
क् व क्व पक्व

(

क् स क्स अक्सर

क् ष क्ष अक्षर क्षेत्र क्षत्रिय

क् ऋ कृ कृपा

ख् त ख्त तख्त बख्तावर

ख् य ख्य मुख्य

ग् द ग्द मुग्दर

ग् य ग्य आरोग्य

ग् न ग्न लग्न

ग् र ग्र अग्र

ग् व ग्व ग्वाल

ग् ऋ गृ गृह

ग् य ग्य आर्य

च्‌ छ च्छ गच्छ विच्छ्
च्‌ य च्य च्यां च्यां
छ्‌ र छ्र कृच्छ्र
ज्‌ ञ ज्ञ ज्ञान यज्ञ
ज्‌ य ज्य तज्या पूज्य
ज्‌ र ज्र वज्र
ट्‌ ट ट्ट तट्टो गट्टी घट्टी
ट्‌ ठ ट्ठ जट्ठो जट्ठ
ट्‌ य ट्य जट्काट्या
ड्‌ ग ड्ग खड्ग
ड्‌ ड ड्ड गड्डी
ण्‌ ठ ण्ठ कण्ठ
त्‌ त त्त पत्तर उत्तम
त्‌ थ त्थ पत्थर
त्‌ न त्न रत्न यत्न
त्‌ म त्म आत्मा

क् स क्स अक्सर

क् ष क्ष अक्षर क्षेत्र क्षत्रिय

क् ऋ कृ कृपा

ख् त ख्त तख्त बख्तावर

ख् य ख्य मुख्य

ग् द ग्द मुग्दड़

ग् य ग्य आरोग्य

ग् न ग्न लग्न

ग् र ग्र अग्र

ग् व ग्व ग्वाला

ग् ऋ गृ गृह

ग् घ ग्घ अर्ग्घ

च् छ च्छ गच्छ विच्छ
च् य च्य च्यां च्यां
क् र क्र कृच्छ्र
ज् ञ ज्ञ ज्ञान यज्ञ
ज् य ज्य सज्या पूज्य
ज् र ज्र वज्र
ट् ट ट्ट तट्टो गट्टी घट्टी
ट् ठ ट्ठ जट्ठो वट्ठ
ड् य ड्य जड्काड्या
ड् ग ड्ग खड्ग
ड् ढ ड्ढ गड्ढी
ण् ठ ण्ठ कण्ठ
त् त त्त पत्तर उत्तम
त् थ त्थ पत्थर
त् न त्न रत्न यत्न
त् म त्म

क् स क्स अक्सर

क् ष क्ष अक्षर क्षेत्र क्षत्रिय

क् ऋ कृ कृपा

ख् त ख्त तख्त बख्तावर

ख् य ख्य मुख्य

ग् द ग्द मुग्दड़

ग् य ग्य आरोग्य

ग् न ग्न लग्न

ग् र ग्र अग्र

ग् व ग्व ग्वाल

ग् ऋ गृ गृह

घ् य घ्य अर्घ्य

घ् र घ्र व्याघ्र शीघ्र

ङ् क ङ्क अङ्कुर अङ्क

ङ् ग ङ्ग अङ्ग सङ्ग जङ्ग रङ्ग

ञ् च ञ्च पञ्चर सञ्चो

त् य त्य सत्य
त् र त्र त्रै मंत्र जंत्र तंत्र
द् द द्द सद्द पद्द हद्द
द् ध द्ध सिद्ध गद्धा
द् भ द्भ उद्भिज
द् म द्म पद्म
द् य द्य सद्य मद्य
द् र द्र उपद्रव
द् व द्व द्वारका द्वारा
ध् य ध्य ध्यान
न् त न्त अन्त सन्त
न् न न्न अन्न
न् म न्म जन्म
न् य न्य न्याय
न् ऋ नृ नृप
प् प प्प गप्प

प् य प्य प्यारो

प् र प्र प्रजा प्रथमा

ब् ज ब्ज कुब्जा सब्जो कब्जो

ब् द ब्द शब्द

भ् य भ्य अभ्यास

भ् र भ्र भ्रमर शुभ्र

म् ब म्ब अम्बा चुम्बक लम्बो

म् य म्य रम्य

म् र म्र नम्र

म् ल म्ल अम्ल

म् ह म्ह म्हैं म्हे म्हारो म्हनैं

र क र्क अर्क कर्क

र ग र्ग वर्ग

र घ र्घ अर्घ दीर्घ

र च र्च चर्चा

ल् ल ल्ल पुल्लिंग किल्लो मल्ल

व् य व्य काव्य व्यास

व् र व्र व्रत

श् क श्क मुश्किल

श् च श्च वृश्चिक

श् र श्र श्री अवश्य श्राद्ध श्रु

श् ल श्ल श्लोक

श् व श्व अश्व

ष् ट ष्ट कष्ट नष्ट

स् ट स्ट स्टेशन स्टाम्प स्टेट

स् त स्त अस्त रस्तो मस्तक

स् म स्म भस्म

स् य स्य कस्य स्यांग्गो

ह् म ह्म ब्रह्मा ब्राह्मण

ह् र ह्र ह्रस्व

ह् ल ह्ल प्रल्हाद

स् त् र स्त्र स्त्रीलिंग

पट्टर पू उट्ट राप्ट

परमेश्वर (१)

थांनें, पशु पंखीनें ने तमाम सृष्टिनें पेदा करणवालो कुण है? सुणणनें कांन, देखणनें आंखियां, सूंगणनें नाक, स्वाद लेवणनें और बोलणनें जीभ, लेवणनें हाथ, चालणनें पग नें आछो भूंडो समजणनें मन, अ सारी इंद्रियांरो देवणवालो कुण है? सृष्टिरो रचणवालो और इंद्रियांरो देवणवालो परमेश्वर है, जो कांई आपणे देखणमें आवे है, वो सरब परमेश्वररी रचना है. आपांरो पेदा करणवालो परमेश्वर है, सो परमेश्वररी भक्ति करणी, उणनें मानणो, उणरो डर राखसदाचार में चालणो आपणो धर्म है. थे चोखे रस्ते चालो और भलाई लो, इणवास्तेहीज उण थांनें रचिया है, जो थे इण मुजब नहीं करोला तो परमेश्वररी आज्ञा उल्लंघन करणसूं वो थां रे माथे कोप करेला

उणनैं सैणो जाण ॥ २ ॥

३ नार और पींजरो

एक नारीरो बच्चो अतंत ही चंचल हो सो उणरी मा बेटानैं कयो, कै बेटा तूं दूजाकनैं तो जठांई जाईजे, और विश्वास करजे, पण काळामाथावाळारो भरोसो मत करजे ॥

सो एक दिन हातीनैं देषर उण कयो, कै 'कांइ काळामाथावाळो तू है?' तो उण कयो कै 'नहीं; वो तो म्हाराऊंई जबरो है.'

फेर फिरतां फिरतां एक पाती मिळियो; जद उणनैं कही, कै 'कांई काळामाथावाळो तूं है?' तो पाती कही, कै 'नहीं; आव, म्हारे सारै आवै तो दिषाऊं' अर वे दोनुं साथे गया. अगाड़ी एक पींजरो वतायर पाती कयो, कै 'इणरै मांय वैड तो थनैं काळामाथावाळो दिषाऊं;' कैतांई नाररो बच्चो मांय वड़ियो, कै पाती

किंवाड़ ढक करनाळो जगाय दीयो नै आपरो माथो उतार दियो, के ओ काळामाथावाळो हूंईज हूं.

सारांश ओ है के हरेक असैंदा आदमी रै नारी नहीं टळजावणो; नहीं तो नारीरा बच्चावाळो हुवै॥

४ बळद

बळद चोपगो जिनावर है. इणनैं पोपो तथा धोदो पण कवै है. जिण बळदरा सींग कनफटियांऊं चिपियोड़ा हुवै, ऊंचा नहीं हुवै उणनै जींझियो बळद कवै है ॥

बळदांमैं सवाळषरा बळद नामी है. सवाळष पट्टी नागोर परगनामें है. सवाळषियो जाट बळदांनैं बहुत सोरा राखै है और बडी तजबीजसूं पाळै है. सवाळषरो बळद दोड़णमें बग्गीरा घोडां नैं पण मात करै है. ऐ बळद बडी ऊंची कीमत में बिकै है ॥

बळद बड़ा मैन्ती और कामरा है. बळदांसूं आपानैं बोत फायदा पोंचे है. प्रथम तो कठेई जावणो हुवे तो रथ गाड़ी अथवा सेजगाड़ी रे जोड़ जायसकां, दूजो हळ बळदांसूंहीज वेवै है. तीजो उणांरा पोठा पेतमें पातरो काम देवै है. जोधपुरमें तो तामरेल बळदांसूंहीज चालै है ॥ बळदांनैं हाकणरी लकड़ीनैं पिरांणो, उणरे मांयला पीछानैं आर, नाकमायला डोरीनैं नाथ नै हाथमें राप हाकणरी लंबी डोरीनैं रास कवै है॥

५. घोड़ो

घोड़ानैं आपां सगळा जाणां हां, घोड़ो मुख तो असवारीरा कामरो है; परंतु बग्गीमें पण जोड़िया करै है, घोड़ानैं बग्गी में जोतै जद पेली उणनैं घींसामें काढ़िया करै है, नहीं तो बग्गीरा पडबडाट सूं चमक जाय तो नुकसांण कर ऊठो रवै ॥

हिंदुस्तानमैं घोडांरी केई किसमां है. जिण मैं काठियावाडी घोडा प्रसिद्ध है. काठियावाडी घोडो घणो मोटो तो नहीं हुवै है, पण मजबूत और रूपाळो हुवै है. अरबी घोडा अरबरी पैदा यश है. अरबी घोडो मोटो बोत हुवै है. श्रो घोडो दोडणमैं और कूदणमैं आगो हुवै है, देशी घोडा कदमैं सरासरी हुवै है ॥

चोपग्गांमैं घोडारै बराबर कीमती कोई नहीं है, लाख रुपयां तांई कीमत घोडारी है. दूजारी नहीं, हातीरी कीमत हद दस हजार, ऊंठरी कीमत हद पांचसौं, बळदरी कीमत हद तीनसो.

घोडो पूंटासूं पुळ जावै तो घोडानैं ढळियो कैणो, छूट गयो नहीं कैणो, क्यूंकै घोडो मरै जिणनैं छूटगयो कवै है ॥

जिण शास्त्रमें घोडांरा लक्षण और इलाज है उण शास्त्ररो नांव शालिहोत्र है. ओ शास्त्र

ाल्हिहोत्र ऋषि बणायो है. श्रो शास्त्र जाणै जि-
णैं साळोतरी कवे है. घोडो फेरे जिणनें फेरणि-
यो तथा चाबकसवार कवे है ॥

६ हाती

हाती चोपग्गांमें सारांसूं वडो है. हातीरे बारे
दोय दांत हुवे है सो किणीरे तो पावरा, किणीरे
मोटा नें किणी हातीरा दांत इसा फूटरा गोळ
बना बीजरा चंद्रमारी सिळाक सरीसा बांकीसा
वे है के वस देषियांई वण आवे. फेर दांतांरी
ोभा वधावणरैवास्ते दांतांमें सोनारा अथवा सो-
ारा फ़ोळरा नहीं तो पीतळराई बंगड़ पैरायाकरे है.
लुगायांरे पेरणरो चूड़ो हातीदांतरो हुवे है.
ाती दांतरा टुकड़ानें लोडी कवे है. हातीदांतरी
कीमत हमार घणी वद गई है. चूड़ा माथे पची-
स रुपिया लाग जावे है. लुगायां चूड़ो पैरे जद
ओ उत्सव करे है, नैं चूड़ारा गीत गाया करे

है. हातीदांत हाम्को है, पण शास्त्रमैं इणनैं पवित्र मानियो है.

हतणांरै दांत नहीं हुवै, नै हुवै तो बोत छोटा, हाती रै षावणारा दांत दूजा है नैं दीषे है वै दूजा है, जिणमुंहैहीज ओ ओषाणो है, 'दिषावणारा, दांत किसाई नै षावणारा किसाई' ओ ओषाणो कोई वात चौड़े कवणरी नहीं हुवै सो वा तो कवै नहीं, नै दूजी वात वणायर कवै जठै बोल-णमें आया करै है॥

७ हाती भाग २

हातियांरै रैवणरी जगांनैं पीलपानो, दरोगानैं फोजदार नै चलावणवाळानैं मावत कवै है. हाती आंकससूं मानिया करै है इण बाबत एक कवि रो वचन है॥

महा मत्त गजराजनैं ।
वश कर अंकुश खर्व ॥

हाती मस्त हुवे जद हातीरी कनफटियां मायसूं
ओ मद झरिया करे है मस्तहाती रे नैड़ो नहीं जा
ो; क्यूंके मस्त हाती आदमीनें चीरनापिया करे है
राजा लोग तमासो देपणवास्ते हातियांनें
ा कर लड़ाया करे है उणनें साठमारी कवे
साठमारी करणवाळा साठमार लोग इसा
तैयार हुवे है के बस अक्कल काम नहीं करे
ठातांई होजाय है के हाती साठमारनें पकड़
डरो आंटो लगाय लेवे जद वे इसी फुरतीसूं
ड मायसूं ठिटक पड़े, के हाती तो देपतो रेजा-
, और वो आपरो ठिकाणे लागे ॥

८ वूजागडजी

एक वार थळ कांनी हाती निकळियो उणनें
पर लोग अचंने रेगया और आपसमें केवणा
ागा के अरे! ओ दोय पूंछवाळो जिनावर कांई
ै? आपां रे तो संदेह भागणवाळा वूजागडजी है

सो वैरै कनैं चालो वै ओ सांसो जांगै! इसो वि-
चार कर वूजागड़जी कनैं गया अर कयो कै ओ
हो! आज तो एक वडो अनोषो जिनावर देषियो.
उणरै थंभा जिसा च्यार तो पग है. दोय
पूंछां नैं दोय सींग है. जद वूजागड़जी पिण इच
रज कर देषणनैं आया, और नवोईज स्वरूप
देषनैं मनमें बिचार करण लागा कै वात तो
साची, क्यूं कै आपरै कदेई हाती देषणरो ऊमर
में ही काम कैनैं पडियो हो; पण आपरी जमाव-
ण वास्तै वोलिया कै अरे! सांनियां! थे जांणो
कोयनी आ तो अमावसरी काळीबोळी रात है
सो इणेरै नैड़ा मत जावो नहीं तो दोष कर देवैला.

९ वूजागडजी भाग दूजो

दूजे दिन लोग पेतां गया तो अगाड़ी हातीरा
पग मंडियोड़ा देष, दोडिया दोडिया फेर वूजागडजी
कनैं आया और वोलिया कै चालो देषो तो सही!

आज एक वनी अचंभारी वात है. जद वृजागडजी [सगळांनैं, साथ] ले मौका ऊपर गया, अर देषतांई बोलिया, कै थांनैं इत्तोई ज्ञान कोयनी? म्हनैं अणूंताही फोडा घालिया. पैर, हूं बैठो हूं जित्ते तो हूं म्हारो काम करूंही हूं. पण म्हनैं सो वरस पूगां पछै थांरो कांई हवाल हुवैला? अरे! थांनैं इत्तोही कोयनी सुजै? ओ तो हिरण, पगरै घट्टीरो पुडियो बांधर कूदतो कूदतो निकळियो जिणरा सैनांण मंडिया है ॥

आ सुण विचारा चोळा आदमी वात साची मांन आप आपरै घरै गया, नै वृजागडजी री पोल चल गई ॥

जो जगतरा व्यवहार सूं वाकब नहीं हुवै जिणांरी आ दशा हुवै ॥

२० आंबो

आंबा ऊनाळा में आवै है; नै गांटां पडियां

बिगड जावै है. अमरस आंबांरो हुवै है, आंबां में केई जातां है, मंमाईरा आंबां में हापुस और पायरी प्रसिद्ध है. कलकत्तारा लंगडा आंबा प्रसिद्ध है. परंत लंगडा आंबा कलकत्त काशी प्रांतसूं जावै है.

एक आंबांरी जात घणी ही अनोखी है. उणरी गुठली में जिनावर हुवा करै है. सो गुठली फोडतांई फरर उड जावै. मालदहरो आंबो घणो मोटो हुवै. मारवाडरा लोटण आंबा प्रसिद्ध है।

जिण आंबांनें चक्कूसूं काट फांकां करै उणांनें साप करै है. कच्चो आंबो केरी वाजे है. केरियां रा अथांणा घणा सवाद हुवै. केरीपाक में केरियांरी फांकां उकालर नांखे है॥

११ [illegible]

एक जणो [illegible] कयो के तूं [illegible] नहीं [illegible] पुराण [illegible] तद [illegible] कयो के [illegible]

भर तेलरो घडो तो माथे उठाय लियो; ने मारग में मनसोवा करण लागो के श्रो मजूरीरो टक्को श्रावेला जिणरी एक मुर्गी परीदूंला, मुर्गी ईंडा देवेला अर बच्चा बच्ची हुवेला जद वेंनें वेचनें एक वकरी लेऊंला, वकरीरे वच्चा वच्ची हुवेला वेंनें वेचने एक भेंस परीद करूंला, भेंस व्यावेला अर उणरो परवार वढेला जद पाना पाणी वेच लुगाई परणूंला, उणरे वेटा वेटी हुवेला श्रोर हूं हतायां साजूंला, सो श्रो चालतो चालतो इसो मगन हु गयो, के जांणे वो हताई माथे वेटो गप्पां मारेई है, ने ठोरो बुलावणनें श्रायो ही है, श्रोर केवे है के वाजी! वाजी!! श्रावो रोटी ठंडी हुवे है, चालो मा वुलावे है ॥

वो उण वगत इसो मगन हुवोडो हो, के कुण जांणे तेलरो घड़ो किणरे माथे है जांणे श्राप, तो हताई माथे वेठो गप्पां मार रयो है, श्रोर ठोरो

बुलावणानैं आयो, जिणानैं उथकनैं कवण लागो कै जा! जा!! अबार नहीं आवां, इत्तो कैतांई तो घडो नीचो आय पडियो, जद तेलवाळे कयो कै अरे गद्धा थैं ओ कांई कीयो? म्हारो तेलरो घडो फ़ोड नाखियो, तो उण कयो, कै तूं तो थारा तेलने रोवे है, अर म्हारो मंकियो मंडायो घर बिखर गयो, जिणारी ठाई नहीं है? सेवट लडता लडता कोटवाल कनैं गया, और आप आपरी हकीकत सुणाई. जद सगळी सभा मूंढा आगो पल्लो दे हंसण लागी; और तेलवालो बापडो सांस पाल घरे गयो ॥

२२ रंग

रंग केईतरैरा है. किताक तो कुदरती है नै, किताक वणावटी है. जिणांमें रातो, धोळो, काळो, पीळो, असमानी, इत्यादि तो कुदरती है; नै वाकी वणावटी; हरियो, नारंगी, बेंगणिया, सो-

सनी, कासनी, हवासी, गुलअनार, अंबवा आदि घणा हुवे है ॥

राता रंगनैं कसूमल, नें हरियानैं सूवापंखी कवे है. हरियो रंग काळो नै पीळो मिलर हुवे है. रातो नै पीळो मिलर नारंगी, रातो नै काळो मिलर बेंगणिया, असमांनी और गुलाबी मिलर कासनी, असमांनी और रातो मिलर हवासी, इणां सिवाय फेर थोडा हळका रंग मिलणासूं केईतरैरा रंग वणै है. यथा—किरमची, सरबती, सपताळू, गुलअनार, अंबवा, जूमरदी, जंगाली, पिस्तई, बिदामी, काथाई, गुलाबी, सोसनी, सोनेरी, चंपाई, चंनणिया, पाखी, गंधकी, कपूरी, अंगूरी, इत्यादि. परंत अे सगळा रंग रातो, पीळो और काळो अे तीनूं रंगांरा मिलणासूं वणै है ॥

१३ पेती

जमीन हळसूं पोली कर उणमें बीज वावणसूं

धान पैदा हुवै है, मारवाड़में खेती दोय वार वाईजै है. एक वार तो चौमासा में, नै दूजीवार शरद्‌ऋतु अर्थात् आसोज तथा कातीमें.

चौमासामें जो धांन वावै है वो कातीमें पक जाया करै है. जिणसूंईज मारवाड़में आ कैणावत प्रसिद्ध है. 'काती सब साथी' चौमासामें बाजरी, मोठ, मूंग, जँवार, मक्की, तिल, गंवार, सिण वगैरै हुवै है. चौमासारी खेती मेहसूं हुवै है आगा चौमासामें च्यार पांच मेह चोखा हो जाय तो जमानौ मजारो हो जावै. परंत भादवो जरूर वरसणो चहीजै । भादवो वरसियां विना जमानो नहीं हुवै ॥

भादवामें सूरज उत्तराफाल्गुनी नक्षत्रमें रया करै है, जिणसूंईज आ कैवत है. 'जे वरसे उतरा तो धाप नहीं कूतरा' चौमासारी खेतीनें सांवणूं साख कवै है; सावणूं साखरा दाना

सीयाळामें हुवे है ॥

ऊनाळामें गऊं, जव, गुजो और चिणा बाया करे है. नै ऊनाळारी पैदावार ऊनाळी साप बाजे है, गऊं चिणा वगैरैरो बीज आसोज तथा कातीमें वरिया करे है ॥

गऊं दोय तरेरा हुवे है. पील नै सींवज. पील तो वै बाजे है, कै जिणांनें वेरारो पाणी पावे. थे कदेई गंवारा खेत देखिया है? गवांरा क्यारा न्यारा न्यारा हुवे है, उण क्यारांमें वेलसूं पांणी पाईजै है. वेलमें पांणी कूवा मांयलो चडस अथवा कूंडियासूं आवे है. कठेई कठेई अरठसूं पण पांणी पावे है सो जिणां वेरांरो पांणी थोडो वळवळो हुवे उणां वेरांरा गऊं पारखिया; नै मीठा पांणीवाळा वेरांरा गऊं मिठाणिया बाजे है.

सींवज गऊं चोमासा में विरखा अनंत घणी हुवे नै खेत आसोज तांई पाणीसूं भरिया रेवे

जद जमी तर रैवणसूं पैदा हुवै है, इणांनैं पांणी पावणारी कोई जरूर नहीं. चिणा पण सींवज गँवांरै ज्यूंईज पैदा हुवै है ॥

१४ कागद

कागद चींथरांरा वणै है, परंत चोखा कागद रेसमरा हुवै है. चींथरा सिवाय दूजी चीजां सूं पण कागद वणाया जावै है, वांसरा कागद बझा सैंठा और मजबूत हुवै है, सिणरा पिण कागद वणै है, कागद केई तरैरा हुवै है, देशी कागद जाडा घणा हुवै है, जिणसूं काठा पाठा वाजै है.

चौता कियोड़ो कागद पाठो वाजै है, चौईस २४ पाठांरो एक दस्तो हुवै है, दस १० दस्तांरी एक गड्डी हुवै है, देसी कागदांमें ईसरसाई तथा ओमदावादी कागद नामी है, पोथियां वगैरा इणां पाठांमेंहीज लिखीजे है, कारण इणां काग-

ांरी उमर घणी है सो इणां पाठां में लिखियो-
डी पुस्तक केई बरसां तांई रे सके ॥

आजकाले अंगरेजी कागदहीज वापरणमें
आवे है; कारण वे सस्ता घणा है. जिण में पण
फूंच कागद तो अतंतहीज सस्ता है, और सगळे
वेहीज वापरीजे है. च्यारसौ अस्सी ४८० तथा
पांचसौ ५०० कागदांरो एक रीम हुवे है, अंगरे-
जी कागद केई तरेरा है, फूंच, फुलसकेप, मटि-
या, जंगळिया, सिरामपुरी और विरानपेपर
वगैरे.

कागद दोय जातरा हुवे है. ग्लेज और रफ.
जो कागद लुंवाळा ने चीकणा हुवे वे ग्लेज ने
जो परदरा हुवे वे रफ. पोथियां वापणा में मोटा
माकारा सिरामपुरी कागद काम आवे है. चिठि-
यां लिखणरेवास्ते छोटा नोटपेपर जुदाईज आवे
है. वेंरो माको अतंतहीज छोटो हुवे है, और

ओळी पाटरी आवणवास्ते इणांमें लीकां पण घालियोडी हुवै है ॥

१५ षेत

जिण जमीमें षेती करीजै उण जमीनैं षेत कवै है, धान जुदी जुदी तरैरो जुदी जुदी तरैरी जमीमें पैदा हुवै है, बाजरी और मोठ जिसा वेकलुमें पैदा हुवै जिसा किणी जमीमें नहीं हुवै इणसूंहीज थळरी बाजरी और मोठ प्रसिद्ध है. तिल, जँवार, मूंग, गँवार, मक्की वगैरै धान भूरी तथा काळी जमीमें चोपो नीपजै, परंत इणांरी पैदावाररी जमीनें षात दीयां विना काम चालै नहीं. षात नहीं देवै तो जमी ठरडो हुय बिलकुल निकंमी हूजावै. गुँऊ और चिणा पण काळी जमीमें पैदा हुवै है. तिल, जँवार, मक्की वगैरै तो जमी दोय बरस पडी रैवणसूं पण पैदा हूजावै है; परंत गुँवांरा षेतांमें तो षात दीयां

बिना बिलकुल काम चालैहीज नहीं ॥

१६ साच

सैणो संकट सर्वथा, कैणो साची वात ॥
लैणो सुप परलोकमें, रैणो सुखि दिन रात ॥१॥
सत्य कथन शुभ है सदा, कूटारे दुप जोय ॥
देणो क्रोड उपाय कर, साचारे सुप होय ॥ २ ॥
काम सरे सत अर्थसूं, कूटासूं नहिं कोय ॥
कूंनो कर कागदतणो, सागर पार न होय ॥३॥

१७ लोभी

एक आदमी अतंत लालची हो उणरै अठै एक ठग गयो अर कयो के म्हारे धरै नुकतो है सो वासण दिरावो जण वासण दीया. ओ ठग पांच सात दिन आमा नाप, मोटा वासणांरे साथे छोटा छोटा वासण ले उणरै घरे देवणनैं गयो जण आपरा वासण सम्भाळिया तो आपरा मोटा वासणां रे साथे जनाईज छोटा वासण

देष उण ठगनैं कयो कै थे कित्ता बासण ले ग-या हा? जरां उण कयो कै बासण तो हूं थोडा लेगयो हो परंत आपरा बासण म्हारै अठै ब्या-या है, सो औ छोटोडा बासण आपरा बडा बास-णांरा बच्चा है सो रषावो. इणारा मनमें लोभ आय गयो सो बासण उठाय घरमें धरिया; और मन में कयो कै ओ मूर्ख है सो और किणीरा बासण ले आयो है, खैर, आपणो तो काम बणियो, अबै बोलो मत ॥

१८ लोभी भाग दूजो

पछै कितांक दिन आंतरा नापछैं वोहीज ठग इण लोभी आदमीरै अठै आयो और कयो कै भाई! म्हारै घरे आज न्यात है, और घणा बासण चहीजे है, सो म्हैरबांनी कर दिरावो. जरां लालची आदमी कयो कै हाजर है. लेजावो, बासण पछै कैरैवास्तै है, ठग इणरा घररा सेंग

ासण कमायर लें गयो. महीनोमासनिकळ गयो
र वासणांरो पत्तो नहीं, जद लोजियो पूछतो
गो उणरै घरे गयो अर कयो कै कांई म्हाईजी!
ासण पाछा लाया कोयनी? जरां ठग कयो कै
ठसाव! वे वासण तो मर गया. जरां वो बो·
ोयो कै अरे गद्धा! वासणाई कांई मरता हुवैला?
द ठग कयो कै कांई वासण व्यावै है? जनमै
ोका तो मरैहीज. आ बात सुण सेठजी चुप
य पगां सामो जोवता घरे आया. आ बात
ाची है कै 'लालच गळो कटावै'.

१९ सवाळपरो जाट

एक जाटरै कनैं जोडी घणी चोपीही, नै
ोांरी उणरै माथे म्हम ही. सो मोको पायर
ा जोडी उमाई. जाट जायर थांणों कूकियो जद
ांणेदार वार चमिया. जाट पिण लारै गयो,
ोडा जोडीनैं जाय पौंचिया और पकडणरी

तजबीज करण लागा; जित्तेई जाटडे चोरनै का
कै अरे देषै कांऊ है? रास षैंच; रास षैंचणारी
जेज ही. बस! रास षैंचतांई बळद चौफाळिय
हू गया; नै घोडा कठैई लारै रै गया. जद थांण
दार कही कै गद्धा! थैं ओ कांई कीयो? ज
जाटडे कही कै कांई आपरा घोडां कनैं म्हार
बळदांरी ईजत गमाऊं? वा!! बळद गया तो
जलांई जावो ॥

२० रत्न

रत्न नव है. हीरो, पन्नो, माणक, मोती, मूं
गियो, लीलम, पुषराज, गोमेदक और लहसणियो
इणांमें मोती और मूँगिया सिवाय बाकी
षानसूं निकळै है. नै मोती तथा मूँगियो समुद्र
मांयसूं निकळै है.

रत्नांरो रंग जुदो जुदो है. हीरो सफेद. पन्नो
हरियो. माणक लाल. मोती गुगळास लीय

धोळो, मूँगियो रातो, नीलम काळो, पुखराज पीळो, गोमेदक नारंगिया नै लहसणियो लहसण-रा रंगरो हुवै है ॥

रत्न संसार में थोडा है जिणसूं मूंगा विकै है. इनरा रत्न हीरो वगैरे पांन मायसूं निकळै है, जद तो इसा चमकदार नहीं हुवै है परंत सांण माथे चमावणसूं इणांरी चमक वध जावै है. रत्नरी परीक्षा करे जिणनैं जुँवरी कवे है, गुणी आदमीनैं रत्नरी उपमा दीया करै है ॥

२१ शिक्षा

दोय आंगळरी जीभडी नै जो देवै दुक्ख ।
तिणरो तन मण तीनरो, सहाज पावै सुक्ख ॥१॥
वांट वांट कर घट भरे, नदियांसूं दरियाव ।
ज्यूंई टुक टुक सीखतां, हुवैज पंडितराव ॥२॥
जो चावो सो हूसके, काचा घटमें चित्र ।
वोही हांको पाकियां, कारि न लागे मित्र ॥३॥

२१	१	२१	२२	१	२२	२३	१	२३	२४	१	२४
२१	२	४२	२२	२	४४	२३	२	४६	२४	२	४८
२१	३	६३	२२	३	६६	२३	३	६९	२४	३	७२
२१	४	८४	२२	४	८८	२३	४	९२	२४	४	९६
२१	५	१०५	२२	५	११०	२३	५	११५	२४	५	१२०
२१	६	१२६	२२	६	१३२	२३	६	१३८	२४	६	१४४
२१	७	१४७	२२	७	१५४	२३	७	१६१	२४	७	१६८
२१	८	१६८	२२	८	१७६	२३	८	१८४	२४	८	१९२
२१	९	१८९	२२	९	१९८	२३	९	२०७	२४	९	२१६
२१	१०	२१०	२२	१०	२२०	२३	१०	२३०	२४	१०	२४०

२५	१	२५	२६	१	२६	२७	१	२७	२८	१	२८
२५	२	५०	२६	२	५२	२७	२	५४	२८	२	५६
२५	३	७५	२६	३	७८	२७	३	८१	२८	३	८४
२५	४	१००	२६	४	१०४	२७	४	१०८	२८	४	११२
२५	५	१२५	२६	५	१३०	२७	५	१३५	२८	५	१४०
२५	६	१५०	२६	६	१५६	२७	६	१६२	२८	६	१६८
२५	७	१७५	२६	७	१८२	२७	७	१८९	२८	७	१९६
२५	८	२००	२६	८	२०८	२७	८	२१६	२८	८	२२४
२५	९	२२५	२६	९	२३४	२७	९	२४३	२८	९	२५२
२५	१०	२५०	२६	१०	२६०	२७	१०	२७०	२८	१०	२८०

२९	१	२९	३०	१	३०	३१	१	३१	३२	१	३२
२९	२	५८	३०	२	६०	३१	२	६२	३२	२	६४
२९	३	८७	३०	३	९०	३१	३	९३	३२	३	९६
२९	४	११६	३०	४	१२०	३१	४	१२४	३२	४	१२८
२९	५	१४५	३०	५	१५०	३१	५	१५५	३२	५	१६०
२९	६	१७४	३०	६	१८०	३१	६	१८६	३२	६	१९२
२९	७	२०३	३०	७	२१०	३१	७	२१७	३२	७	२२४
२९	८	२३२	३०	८	२४०	३१	८	२४८	३२	८	२५६
२९	९	२६१	३०	९	२७०	३१	९	२७९	३२	९	२८८
२९	१०	२९०	३०	१०	३००	३१	१०	३१०	३२	१०	३२०
३३	१	३३	३४	१	३४	३५	१	३५	३६	१	३६
३३	२	६६	३४	२	६८	३५	२	७०	३६	२	७२
३३	३	९९	३४	३	१०२	३५	३	१०५	३६	३	१०८
३३	४	१३२	३४	४	१३६	३५	४	१४०	३६	४	१४४
३३	५	१६५	३४	५	१७०	३५	५	१७५	३६	५	१८०
३३	६	१९८	३४	६	२०४	३५	६	२१०	३६	६	२१६
३३	७	२३१	३४	७	२३८	३५	७	२४५	३६	७	२५२
३३	८	२६४	३४	८	२७२	३५	८	२८०	३६	८	२८८
३३	९	२९७	३४	९	३०६	३५	९	३१५	३६	९	३२४
३३	१०	३३०	३४	१०	३४०	३५	१०	३५०	३६	१०	३६०

३७	१	३७	३८	१	३८	३९	१	३९	४०	१	४०
३७	२	७४	३८	२	७६	३९	२	७८	४०	२	८०
३७	३	१११	३८	३	११४	३९	३	११७	४०	३	१२०
३७	४	१४८	३८	४	१५२	३९	४	१५६	४०	४	१६०
३७	५	१८५	३८	५	१९०	३९	५	१९५	४०	५	२००
३७	६	२२२	३८	६	२२८	३९	६	२३४	४०	६	२४०
३७	७	२५९	३८	७	२६६	३९	७	२७३	४०	७	२८०
३७	८	२९६	३८	८	३०४	३९	८	३१२	४०	८	३२०
३७	९	३३३	३८	९	३४२	३९	९	३५१	४०	९	३६०
३७	१०	३७०	३८	१०	३८०	३९	१०	३९०	४०	१०	४००

१	१।	१।	११	१।	१३॥।	२१	१।	२६।	३१	१।	३८॥।
२	१।	२॥	१२	१।	१५	२२	१।	२७॥	३२	१।	४०
३	१।	३॥।	१३	१।	१६।	२३	१।	२८॥।	३३	१।	४१।
४	१।	५	१४	१।	१७॥	२४	१।	३०	३४	१।	४२॥
५	१।	६।	१५	१।	१८॥।	२५	१।	३१।	३५	१।	४३॥।
६	१।	७॥	१६	१।	२०	२६	१।	३२॥	३६	१।	४५
७	१।	८॥।	१७	१।	२१।	२७	१।	३३॥।	३७	१।	४६।
८	१।	१०	१८	१।	२२॥	२८	१।	३५	३८	१।	४७॥
९	१।	११।	१९	१।	२३॥।	२९	१।	३६।	३९	१।	४८॥।
१०	१।	१२॥	२०	१।	२५	३०	१।	३७॥	४०	१।	५०

४१ १। ५१।	५१ १। ६३॥।	६१ १। ७६।	७१ १। ८८।
४२ १। ५२॥	५२ १। ६५	६२ १। ७७॥	७२ १। ९०
४३ १। ५३॥।	५३ १। ६६।	६३ १। ७८॥।	७३ १। ९१।
४४ १। ५५	५४ १। ६७॥	६४ १। ८०	७४ १। ९२।
४५ १। ५६।	५५ १। ६८॥।	६५ १। ८१।	७५ १। ९३॥।
४६ १। ५७॥	५६ १। ७०	६६ १। ८२॥	७६ १। ९५
४७ १। ५८॥।	५७ १। ७१।	६७ १। ८३॥।	७७ १। ९६।
४८ १। ६०	५८ १। ७२॥	६८ १। ८५	७८ १। ९७॥
४९ १। ६१।	५९ १। ७३॥।	६९ १। ८६।	७९ १। ९८॥।
५० १। ६२॥	६० १। ७५	७० १। ८७॥	८० १। १००
८१ १। १०१।	९१ १। ११३॥।	१ १॥ १॥	११ १॥ १६॥
८२ १। १०२॥	९२ १। ११५	२ १॥ ३	१२ १॥ १८
८३ १। १०३॥।	९३ १। ११६।	३ १॥ ४॥	१३ १॥ १९॥
८४ १। १०५	९४ १। ११७॥	४ १॥ ६	१४ १॥ २१
८५ १। १०६।	९५ १। ११८॥।	५ १॥ ७॥	१५ १॥ २२॥
८६ १। १०७॥	९६ १। १२०	६ १॥ ९	१६ १॥ २४
८७ १। १०८॥।	९७ १। १२१।	७ १॥ १०॥	१७ १॥ २५॥
८८ १। ११०	९८ १। १२२॥	८ १॥ १२	१८ १॥ २७
८९ १। १११।	९९ १। १२३॥।	९ १॥ १३॥	१९ १॥ २८॥
९० १। ११२॥	१०० १। १२५	१० १॥ १५	२० १॥ ३०

૨૧	૧॥	૩૧॥	૩૧	૧॥	૪૬॥	૪૧	૧॥	૬૧॥	૫૧	૧॥	૭૬॥
૨૨	૧॥	૩૩	૩૨	૧॥	૪૮	૪૨	૧॥	૬૩	૫૨	૧॥	૭૮
૨૩	૧॥	૩૪॥	૩૩	૧॥	૪૯॥	૪૩	૧॥	૬૪॥	૫૩	૧॥	૭૯॥
૨૪	૧॥	૩૬	૩૪	૧॥	૫૧	૪૪	૧॥	૬૬	૫૪	૧॥	૮૧
૨૫	૧॥	૩૭॥	૩૫	૧॥	૫૨॥	૪૫	૧॥	૬૭॥	૫૫	૧॥	૮૨॥
૨૬	૧॥	૩૯	૩૬	૧॥	૫૪	૪૬	૧॥	૬૯	૫૬	૧॥	૮૪
૨૭	૧॥	૪૦॥	૩૭	૧॥	૫૫॥	૪૭	૧॥	૭૦॥	૫૭	૧॥	૮૫॥
૨૮	૧॥	૪૨	૩૮	૧॥	૫૭	૪૮	૧॥	૭૨	૫૮	૧॥	૮૭
૨૯	૧॥	૪૩॥	૩૯	૧॥	૫૮॥	૪૯	૧॥	૭૩॥	૫૯	૧॥	૮૮॥
૩૦	૧॥	૪૫	૪૦	૧॥	૬૦	૫૦	૧॥	૭૫	૬૦	૧॥	૯૦
૬૧	૧॥	૯૧॥	૭૧	૧॥	૧૦૬॥	૮૧	૧॥	૧૨૧॥	૯૧	૧॥	૧૩૬॥
૬૨	૧॥	૯૩	૭૨	૧॥	૧૦૮	૮૨	૧॥	૧૨૩	૯૨	૧॥	૧૩૮
૬૩	૧॥	૯૪॥	૭૩	૧॥	૧૦૯॥	૮૩	૧॥	૧૨૪॥	૯૩	૧॥	૧૩૯॥
૬૪	૧॥	૯૬	૭૪	૧॥	૧૧૧	૮૪	૧॥	૧૨૬	૯૪	૧॥	૧૪૧
૬૫	૧॥	૯૭॥	૭૫	૧॥	૧૧૨॥	૮૫	૧॥	૧૨૭॥	૯૫	૧॥	૧૪૨॥
૬૬	૧॥	૯૯	૭૬	૧॥	૧૧૪	૮૬	૧॥	૧૨૯	૯૬	૧॥	૧૪૪
૬૭	૧॥	૧૦૦॥	૭૭	૧॥	૧૧૫॥	૮૭	૧॥	૧૩૦॥	૯૭	૧॥	૧૪૫॥
૬૮	૧॥	૧૦૨	૭૮	૧॥	૧૧૭	૮૮	૧॥	૧૩૨	૯૮	૧॥	૧૪૭
૬૯	૧॥	૧૦૩॥	૭૯	૧॥	૧૧૮॥	૮૯	૧॥	૧૩૩॥	૯૯	૧॥	૧૪૮॥
૭૦	૧॥	૧૦૫	૮૦	૧॥	૧૨૦	૯૦	૧॥	૧૩૫	૧૦૦	૧॥	૧૫૦

१	२॥	२॥	११	२॥	२७॥	२१	२॥	५२॥
२	२॥	५	१२	२॥	३०	२२	२॥	५५
३	२॥	७॥	१३	२॥	३२॥	२३	२॥	५७॥
४	२॥	१०	१४	२॥	३५	२४	२॥	६०
५	२॥	१२॥	१५	२॥	३७॥	२५	२॥	६२॥
६	२॥	१५	१६	२॥	४०	२६	२॥	६५
७	२॥	१७॥	१७	२॥	४२॥	२७	२॥	६७॥
८	२॥	२०	१८	२॥	४५	२८	२॥	७०
९	२॥	२२॥	१९	२॥	४७॥	२९	२॥	७२॥
१०	२॥	२५	२०	२॥	५०	३०	२॥	७५
३१	२॥	७७॥	४१	२॥	१०२॥	५१	२॥	१२७॥
३२	२॥	८०	४२	२॥	१०५	५२	२॥	१३०
३३	२॥	८२॥	४३	२॥	१०७॥	५३	२॥	१३२॥
३४	२॥	८५	४४	२॥	११०	५४	२॥	१३५
३५	२॥	८७॥	४५	२॥	११२॥	५५	२॥	१३७॥
३६	२॥	९०	४६	२॥	११५	५६	२॥	१४०
३७	२॥	९२॥	४७	२॥	११७॥	५७	२॥	१४२॥
३८	२॥	९५	४८	२॥	१२०	५८	२॥	१४५
३९	२॥	९७॥	४९	२॥	१२२॥	५९	२॥	१४७॥
४०	२॥	१००	५०	२॥	१२५	६०	२॥	१५०

૬૧	૨॥	૧૫૨॥	૭૧	૨॥	૧૭૭॥	૮૧	૨॥	૨૦૨॥
૬૨	૨॥	૧૫૫	૭૨	૨॥	૧૮૦	૮૨	૨॥	૨૦૫
૬૩	૨॥	૧૫૭॥	૭૩	૨॥	૧૮૨॥	૮૩	૨॥	૨૦૭॥
૬૪	૨॥	૧૬૦	૭૪	૨॥	૧૮૫	૮૪	૨॥	૨૧૦
૬૫	૨॥	૧૬૨॥	૭૫	૨॥	૧૮૭॥	૮૫	૨॥	૨૧૨॥
૬૬	૨॥	૧૬૫	૭૬	૨॥	૧૯૦	૮૬	૨॥	૨૧૫
૬૭	૨॥	૧૬૭॥	૭૭	૨॥	૧૯૨॥	૮૭	૨॥	૨૧૭॥
૬૮	૨॥	૧૭૦	૭૮	૨॥	૧૯૫	૮૮	૨॥	૨૨૦
૬૯	૨॥	૧૭૨॥	૭૯	૨॥	૧૯૭॥	૮૯	૨॥	૨૨૨॥
૭૦	૨॥	૧૭૫	૮૦	૨॥	૨૦૦	૯૦	૨॥	૨૨૫
૯૧	૨॥	૨૨૭॥	૧	૩॥	૩॥	૧૧	૩॥	૩૮॥
૯૨	૨॥	૨૩૦	૨	૩॥	૭	૧૨	૩॥	૪૨
૯૩	૨॥	૨૩૨॥	૩	૩॥	૧૦॥	૧૩	૩॥	૪૫॥
૯૪	૨॥	૨૩૫	૪	૩॥	૧૪	૧૪	૩॥	૪૯
૯૫	૨॥	૨૩૭॥	૫	૩॥	૧૭॥	૧૫	૩॥	૫૨॥
૯૬	૨॥	૨૪૦	૬	૩॥	૨૧	૧૬	૩॥	૫૬
૯૭	૨॥	૨૪૨॥	૭	૩॥	૨૪॥	૧૭	૩॥	૫૯॥
૯૮	૨॥	૨૪૫	૮	૩॥	૨૮	૧૮	૩॥	૬૩
૯૯	૨॥	૨૪૭॥	૯	૩॥	૩૧॥	૧૯	૩॥	૬૬॥
૧૦૦	૨॥	૨૫૦	૧૦	૩॥	૩૫	૨૦	૩॥	૭૦

२१	३॥	७३॥	३१	३॥	१०८॥	४१	३॥	१४३॥
२२	३॥	७७	३२	३॥	११२	४२	३॥	१४७
२३	३॥	८०॥	३३	३॥	११५॥	४३	३॥	१५०॥
२४	३॥	८४	३४	३॥	११९	४४	३॥	१५४
२५	३॥	८७॥	३५	३॥	१२२॥	४५	३॥	१५७॥
२६	३॥	९१	३६	३॥	१२६	४६	३॥	१६१
२७	३॥	९४॥	३७	३॥	१२९॥	४७	३॥	१६४॥
२८	३॥	९८	३८	३॥	१३३	४८	३॥	१६८
२९	३॥	१०१॥	३९	३॥	१३६॥	४९	३॥	१७१॥
३०	३॥	१०५	४०	३॥	१४०	५०	३॥	१७५
५१	३॥	१७८॥	६१	३॥	२१३॥	७१	३॥	२४८॥
५२	३॥	१८२	६२	३॥	२१७	७२	३॥	२५२
५३	३॥	१८५॥	६३	३॥	२२०॥	७३	३॥	२५५॥
५४	३॥	१८९	६४	३॥	२२४	७४	३॥	२५९
५५	३॥	१९२॥	६५	३॥	२२७॥	७५	३॥	२६२॥
५६	३॥	१९६	६६	३॥	२३१	७६	३॥	२६६
५७	३॥	१९९॥	६७	३॥	२३४॥	७७	३॥	२६९॥
५८	३॥	२०३	६८	३॥	२३८	७८	३॥	२७३
५९	३॥	२०६॥	६९	३॥	२४१॥	७९	३॥	२७६॥
६०	३॥	२१०	७०	३॥	२४५	८०	३॥	२८०

८१	३॥	२८३॥	९१	३॥	३१८॥	१	४॥	४॥
८२	३॥	२८७	९२	३॥	३२२	२	४॥	९
८३	३॥	२९०॥	९३	३॥	३२५॥	३	४॥	१३॥
८४	३॥	२९४	९४	३॥	३२९	४	४॥	१८
८५	३॥	२९७॥	९५	३॥	३३२॥	५	४॥	२२॥
८६	३॥	३०१	९६	३॥	३३६	६	४॥	२७
८७	३॥	३०४॥	९७	३॥	३३९॥	७	४॥	३१॥
८८	३॥	३०८	९८	३॥	३४३	८	४॥	३६
८९	३॥	३११॥	९९	३॥	३४६॥	९	४॥	४०
९०	३॥	३१५	१००	३॥	३५०	१०	४॥	४५
११	४॥	४९॥	२१	४॥	९४॥	३१	४॥	१३९॥
१२	४॥	५४	२२	४॥	९९	३२	४॥	१४४
१३	४॥	५८॥	२३	४॥	१०३॥	३३	४॥	१४८॥
१४	४॥	६३	२४	४॥	१०८	३४	४॥	१५३
१५	४॥	६७॥	२५	४॥	११२॥	३५	४॥	१५७॥
१६	४॥	७२	२६	४॥	११७	३६	४॥	१६२
१७	४॥	७६॥	२७	४॥	१२१॥	३७	४॥	१६६॥
१८	४॥	८१	२८	४॥	१२६	३८	४॥	१७१
१९	४॥	८५॥	२९	४॥	१३०॥	३९	४॥	१७५॥
२०	४॥	९०	३०	४॥	१३५	४०	४॥	१८०

४१	४॥	१८४॥	५१	४॥	२२९॥	६१	४॥	२७४॥
४२	४॥	१८९	५२	४॥	२३४	६२	४॥	२७९
४३	४॥	१९३॥	५३	४॥	२३८॥	६३	४॥	२८३॥
४४	४॥	१९८	५४	४॥	२४३	६४	४॥	२८८
४५	४॥	२०२॥	५५	४॥	२४७॥	६५	४॥	२९२॥
४६	४॥	२०७	५६	४॥	२५२	६६	४॥	२९७
४७	४॥	२११॥	५७	४॥	२५६॥	६७	४॥	३०१॥
४८	४॥	२१६	५८	४॥	२६१	६८	४॥	३०६
४९	४॥	२२०॥	५९	४॥	२६५॥	६९	४॥	३१०॥
५०	४॥	२२५	६०	४॥	२७०	७०	४॥	३१५
७१	४॥	३१९॥	८१	४॥	३६४॥	९१	४॥	४०९॥
७२	४॥	३२४	८२	४॥	३६९	९२	४॥	४१४
७३	४॥	३२८॥	८३	४॥	३७३॥	९३	४॥	४१८॥
७४	४॥	३३३	८४	४॥	३७८	९४	४॥	४२३
७५	४॥	३३७॥	८५	४॥	३८२॥	९५	४॥	४२७॥
७६	४॥	३४२	८६	४॥	३८७	९६	४॥	४३२
७७	४॥	३४६॥	८७	४॥	३९१॥	९७	४॥	४३६॥
७८	४॥	३५१	८८	४॥	३९६	९८	४॥	४४१
७९	४॥	३५५॥	८९	४॥	४००॥	९९	४॥	४४५॥
८०	४॥	३६०	९०	४॥	४०५	१००	४॥	४५०

१	१	१	११	११	१२१	२१	२१	४४१
२	२	४	१२	१२	१४४	२२	२२	४८४
३	३	९	१३	१३	१६९	२३	२३	५२९
४	४	१६	१४	१४	१९६	२४	२४	५७६
५	५	२५	१५	१५	२२५	२५	२५	६२५
६	६	३६	१६	१६	२५६	२६	२६	६७६
७	७	४९	१७	१७	२८९	२७	२७	७२९
८	८	६४	१८	१८	३२४	२८	२८	७८४
९	९	८१	१९	१९	३६१	२९	२९	८४१
१०	१०	१००	२०	२०	४००	३०	३०	९००
३१	३१	९६१	४१	४१	१६८१	५१	५१	२६०१
३२	३२	१०२४	४२	४२	१७६४	५२	५२	२७०४
३३	३३	१०८९	४३	४३	१८४९	५३	५३	२८०९
३४	३४	११५६	४४	४४	१९३६	५४	५४	२९१६
३५	३५	१२२५	४५	४५	२०२५	५५	५५	३०२५
३६	३६	१२९६	४६	४६	२११६	५६	५६	३१३६
३७	३७	१३६९	४७	४७	२२०९	५७	५७	३२४९
३८	३८	१४४४	४८	४८	२३०४	५८	५८	३३६४
३९	३९	१५२१	४९	४९	२४०१	५९	५९	३४८१
४०	४०	१६००	५०	५०	२५००	६०	६०	३६००

६१	६१	३७२१	७१	७१	५०४१	८१	८१	६५६१
६२	६२	३८४४	७२	७२	५१८४	८२	८२	६७२४
६३	६३	३९६९	७३	७३	५३२९	८३	८३	६८८९
६४	६४	४०९६	७४	७४	५४७६	८४	८४	७०५६
६५	६५	४२२५	७५	७५	५६२५	८५	८५	७२२५
६६	६६	४३५६	७६	७६	५७७६	८६	८६	७३९६
६७	६७	४४८९	७७	७७	५९२९	८७	८७	७५६९
६८	६८	४६२४	७८	७८	६०८४	८८	८८	७७४४
६९	६९	४७६१	७९	७९	६२४१	८९	८९	७९२१
७०	७०	४९००	८०	८०	६४००	९०	९०	८१००
९१	९१	८२८१						
९२	९२	८४६४						
९३	९३	८६४९						
९४	९४	८८३६						
९५	९५	९०२५						
९६	९६	९२१६						
९७	९७	९४०९						
९८	९८	९६०४						
९९	९९	९८०१						
१००	१००	१००००						